मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 303
शनिवार, 23 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

'अगर माता-पिता आईएएस अधिकारी हैं, तो उनके बच्चों के लिए आरक्षण क्यों?', सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली, 22 मई। उच्चतम न्यायालय ने पिछड़े वर्गों के भीतर आर्थिक और शैक्षिक रूप से उन्नत परिवारों के बच्चों को आरक्षण का लाभ लगातार दिए जाने पर सवाल उठाते हुए शुक्रवार को कहा कि शैक्षिक और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ कर्नाटक उच्च न्यायालय के एक फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें याचिकाकर्ता को आरक्षण से बाहर रखने के फैसले को सही ठहराया गया था। याचिकाकर्ता के माता-पिता दोनों ही राज्य सरकार के कर्मचारी हैं।

पीठ ने इस मामले में नोटिस जारी करते हुए कहा, "अगर माता-पिता दोनों ही आईएएस अधिकारी हैं, तो उन्हें आरक्षण क्यों मिलना चाहिए? शैक्षिक और आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ सामाजिक गतिशीलता भी आती है।" उसने कहा, "तो फिर, अगर ऐसे बच्चों के लिए भी आरक्षण की मांग की जाती रही, तो हम इस चक्र से कभी बाहर नहीं निकल पाएंगे।"

उच्चतम न्यायालय ने टिप्पणी की कि अगर छात्रों के माता-पिता अच्छी नौकरियों में हैं और उनकी आय भी अच्छी-खासी है, तो ऐसे बच्चों को आरक्षण के दायरे से बाहर हो जाना चाहिए। न्यायालय ने कहा कि सरकार द्वारा जारी किए गए कई आदेशों में पहले से ही यह प्रावधान है कि ऐसे समृद्ध वर्गों को आरक्षण के लाभों से बाहर रखा जाए, लेकिन अब उन आदेशों को ही चुनौती दी जा रही है।

पीठ ने कहा, "आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और वंचित समूहों के मामले में, सामाजिक पिछड़ापन नहीं होता, बल्कि केवल आर्थिक पिछड़ापन होता है। इसलिए, इस मामले में किसी न किसी तरह का संतुलन होना चाहिए।" याचिकाकर्ता को आरक्षित श्रेणी के तहत कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड में सहायक अभियंता (विद्युत) के पद पर नियुक्ति के लिए चुना गया था। हालांकि, जिला जाति और आय सत्यापन समिति ने यह निष्कर्ष निकालते हुए कि वह 'क्रीमी लेयर' के अंतर्गत आता है, उसे जाति वैधता प्रमाण पत्र देने से इनकार कर दिया।

अधिकारियों ने पाया कि माता-पिता दोनों सरकारी कर्मचारी हैं और उनकी संयुक्त आय निर्धारित 'क्रीमी लेयर' की सीमा से अधिक थी। याचिकाकर्ता को 'क्रीमी लेयर' में वगीर्कृत करने का आधार उसके माता-पिता की आय थी जो वेतनभोगी कर्मचारी हैं और कथित तौर पर उनकी संयुक्त आय 8,00,000 रुपये से अधिक थी। परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता को जारी किया गया जाति प्रमाण पत्र, जिसमें उसे 'कुरुबा' समुदाय का बताया गया था, रद्द कर दिया गया।

NEET UG Leak पर बोले धर्मेंद्र प्रधान, व्यवस्था दुरुस्त होगी

नई दिल्ली, 22 मई। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को NEET UG परीक्षा के पेपर लीक विवाद से निपटने के सरकारी उपायों का बचाव करते हुए कहा कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा में अनियमितताएं पाए जाने के बाद कठोर निर्णय लिए गए। जागरण भारत शिक्षा सम्मेलन 2026 में बोलते हुए प्रधान ने कहा कि अधिकारी नहीं चाहते कि परीक्षा माफिया की वजह से एक भी योग्य छात्र अपनी सीट खो दे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि 21 जून को होने वाली NEET UG की पुनःपरीक्षा 100 प्रतिशत त्रुटिरहित होगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि चिकित्सा प्रवेश परीक्षा से जुड़े विवाद के कारण करीब 22 लाख विद्यार्थियों को मानसिक पीड़ा सहनी पड़ी और सरकार व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 22 लाख बच्चों को भारी मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी। उस पीड़ा को समझते हुए और जिम्मेदारी लेते हुए मैं आज कह रहा हूं कि हमें कुछ कड़े फैसले लेने पड़े। चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को हुई राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बीच राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने हाल में रद्द कर दिया था। मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कर रहा है और दोबारा परीक्षा 21 जून को होनी है।

प्रधान ने कहा कि सरकार ने यह पता लगने के बाद परीक्षा रद्द करने का फैसला किया कि कुछ मूल्यांकनों में गड़बड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते थे कि शिक्षा व्यवस्था में अनियमितताओं में शामिल लोगों और परीक्षा माफिया की साजिश के कारण एक भी विद्यार्थी अपनी हक की सीट से वंचित हो। मंत्री ने इस मुद्दे से निपटने के तरीके को लेकर हुई आलोचना को स्वीकार किया लेकिन साथ ही कहा कि सरकार इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है।

उन्होंने कहा कि हम आलोचना एवं चुनौतियों का सामना कर रहे हैं और मैं इसे स्वीकार करता हूं लेकिन व्यवस्था को दुरुस्त करना हमारी जिम्मेदारी है। आंखें मूंदकर समस्या से मुंह मोड़ लेना हमारा कर्तव्य नहीं है। शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार 21 जून को दोबारा होने वाली परीक्षा को सुचारू रूप से कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है कि 21 जून को होने वाली परीक्षा 100 प्रतिशत त्रुटिरहित रहे।

पीएम मोदी से मिले सीएम सुवेंदु अधिकारी

नई दिल्ली, 22 मई। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने 22 मई को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि राज्य दोहरे इंजन विकास के एक नए युग की शुरूआत और पारदर्शी शासन के लिए तैयार है। पर पोस्ट करते हुए अधिकारी ने लिखा कि आज नई दिल्ली में हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर मैं सम्मानित और सौभाग्यशाली महसूस कर रहा हूं। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व संभालने के बाद माननीय प्रधानमंत्री जी से यह मेरी पहली आधिकारिक मुलाकात है। मैं माननीय प्रधानमंत्री जी को उनकी शुभकामनाओं और विशेष रूप से हमारे राज्य की प्रगति के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूं। अधिकारी ने आगे कहा कि हमारी सार्थक चर्चा के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री ने 'सबका साथ, सबका विकास' के अपने दृष्टिकोण पर फिर से बल दिया और दोहराया कि पश्चिम बंगाल का विकास केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारी ने आगे आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं पश्चिम बंगाल को वर्षों के आर्थिक ठहराव से उबारने और इसे आर्थिक विकास, औद्योगिक पुनरुद्धार और युवा सशक्तिकरण के पथ पर अग्रसर करने के लिए हर संभव सहायता, मार्गदर्शन और केंद्रीय समर्थन का आश्वासन देने के लिए उनका अत्यंत आभारी हूं। केंद्र के आशीर्वाद और जनता के विश्वास के साथ, हम पश्चिम बंगाल के लिए दोहरी गति से विकास, पारदर्शी शासन और समग्र विकास के एक नए युग की शुरूआत करने के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के अलावा, मुख्यमंत्री अधिकारी ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात की। उन्होंने पर पोस्ट किया कि भारत की माननीय राष्ट्रपति, श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी, मुझे दर्शन देने के लिए मैं अत्यंत सम्मानित और आभारी हूं।

आतंकवाद मामलों में जमानत पर सुप्रीम कोर्ट में 'घमासान

नई दिल्ली, 22 मई। सुप्रीम कोर्ट में गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत दर्ज मामलों में जमानत को लेकर अलग अलग पीठों के फैसलों के बीच अब यह सवाल और गंभीर हो गया है कि क्या आतंकवाद जैसे मामलों में भी ‽जमानत नियम है और जेल अपवाद‽ का सिद्धांत उसी तरह लागू होगा। केंद्र सरकार ने आज इस मुद्दे को बड़ी पीठ के पास भेजने की जोरदार मांग की। हम आपको बता दें कि न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति पीबी वराले की पीठ वर्ष 2020 के दिल्ली दंगा मामले के आरोपित तस्लीम अहमद और खालिद सैफी की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने जमानत याचिकाओं के साथ-साथ इस सवाल पर भी फैसला सुरक्षित रख लिया कि क्या इस पूरे विवाद को बड़ी पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। अदालत ने कहा कि आदेश बाद में या 25 मई को सुनाया जा सकता है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने अदालत में कहा कि जमानत का फैसला हर मामले के तथ्यों के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि केवल लंबे समय तक जेल में रहने को आधार मान लिया जाए तो फिर गंभीर आतंकवादी मामलों में भी जमानत देनी पड़ेगी। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि 26 नवंबर 2008 मुंबई आतंकवादी हमले का दोषी अजमल कसाब कई वर्षों तक मुकदमे के कारण जेल में रहता, तो क्या उसे भी जमानत मिल जाती। इसी तरह उन्होंने लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद का उदाहरण देते हुए कहा कि यदि विदेश से साक्ष्य जुटाने में समय लगे और मुकदमा लंबा चले, तो क्या केवल पांच वर्ष जेल में रहने के कारण उसे भी रिहा कर दिया जाएगा।

राजू ने अदालत के सामने यह भी कहा कि हाल के फैसले में अपराध की प्रकृति और आरोपित की भूमिका को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। उन्होंने याद दिलाया कि दिल्ली दंगों में 53 लोगों की मौत हुई थी और ऐसे मामलों में सामान्य आपराधिक मामलों जैसा दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा सकता। उनका कहना था कि अदालत को हर मामले की गंभीरता, आरोपित की भूमिका, मुकदमे की स्थिति और देरी के कारणों को साथ में देखना चाहिए।

दरअसल यह पूरा विवाद 18 मई को आए एक फैसले के बाद और गहरा गया। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी यानि एनआईए द्वारा जांचे जा रहे एक यूएपीए मामले में आरोपी सैयद इफ्तिखार अंद्राबी को जमानत देते हुए दो अन्य पीठों के पुराने फैसलों से असहमति जताई थी। अदालत ने कहा था कि ‽जमानत नियम है और जेल अपवाद‽ भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 और 22 से निकला एक मूल सिद्धांत है तथा किसी भी सभ्य समाज में निर्दोष मानने का सिद्धांत कानून का आधार होता है।

इस फैसले में अदालत ने फरवरी 2024 के गुरविंदर सिंह मामले और जनवरी 2026 के गुलफिशा फातिमा मामले में दिए गए आदेशों पर सवाल उठाया था। गुरविंदर सिंह मामला एक अलगाववादी गतिविधि से जुड़ा था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि यदि आरोप पहली नजर में सही प्रतीत होते हैं, तो जमानत अपवाद हो सकती है और जेल सामान्य स्थिति मानी जाएगी। वहीं गुलफिशा फातिमा मामले में अदालत ने दिल्ली दंगा साजिश मामले के पांच आरोपितों को जमानत दी थी, लेकिन उमर खालिद और शरजील इमाम को राहत देने से इंकार कर दिया था।

तालाब में डूबने से 2 बच्चों की मौत

गुरुग्राम, 22 मई। हरियाणा के गुरुग्राम से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, यहां 2 नाबालिग बच्चों की डूबने से मौत हो गई। बता दें कि एम्बिएंस मॉल परिसर स्थित कटरीना अपार्टमेंट के गोल्फ कोर्स तालाब में डूबने से दो बच्चों की मौत हो गई। इस घटना से इलाके में मातम पसरा हुआ है।

जानकारी के अनुसार एम्बिएंस मॉल परिसर स्थित कटरीना अपार्टमेंट के गोल्फ कोर्स तालाब में 4 बच्चे नहाने उतरे थे। सभी बच्चे सुरक्षा का घेरा पार करके दूसरी तरफ चले गए। पानी में गहराई ज्यादा होने के कारण 2 बच्चे डूब गए जबकि 2 बच गए। इन 4 बच्चों में से 12 वर्षीय अंकुश ने हिम्मत जुटाते हुए 8 साल के बच्चे को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

पीड़ित परिवारों ने सुरक्षा गार्ड पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। मृतक बच्चे के पिता सुरेश कुमार का कहना है कि जब बच्चे घबराकर मदद मांगने गार्ड के पास पहुंचे, तब भी उसने कोई सहायता नहीं की। परिजनों का आरोप है कि अगर समय रहते गार्ड मदद करता तो दोनों बच्चों की जान बचाई जा सकती थी। परिवारों का कहना है कि सुरक्षाकर्मी तब सक्रिय हुए, जब दोनों बच्चे पानी में दम तोड़ चुके थे. घटना के बाद लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है।

सायप्रस बना भारत का नया यूरोपीय रणनीतिक साथी

नई दिल्ली, 22 मई। भारत और सायप्रस के संबंधों ने एक नए ऐतिहासिक दौर में प्रवेश कर लिया है। सायप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को औपचारिक रूप से सामरिक साझेदारी के स्तर तक पहुंचाने की घोषणा की। यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, यूरोप के साथ भारत की नई रणनीति, पूर्वी भूमध्यसागर की राजनीति और भारत की समुद्री तथा व्यापारिक महत्वाकांक्षाओं से जुड़ा एक अत्यंत महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत और सायप्रस की मित्रता केवल मजबूत ही नहीं बल्कि भविष्य उन्मुख भी है। लोकतंत्र, कानून के शासन, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति साझा प्रतिबद्धता दोनों देशों की साझेदारी का आधार है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत सभी देशों की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करता है और इसी कारण सायप्रस के प्रति उसका समर्थन लगातार मजबूत हुआ है।

दरअसल भारत और सायप्रस की नजदीकी को तुर्की के संदर्भ में भी देखा जा रहा है। तुर्की लंबे समय से कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का खुला समर्थन करता रहा है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत विरोधी रुख अपनाता रहा है। इसके जवाब में भारत ने पूर्वी भूमध्यसागर में तुर्की के प्रतिद्वंद्वी देशों सायप्रस और ग्रीस के साथ अपने संबंध तेजी से मजबूत किए हैं। भारत स्पष्ट रूप से सायप्रस गणराज्य की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करता है तथा उत्तरी सायप्रस में तुर्क समर्थित अलगाववादी शासन को मान्यता नहीं देता। इस प्रकार भारत और सायप्रस की सामरिक साझेदारी तुर्की को एक मजबूत कूटनीतिक संदेश भी मानी जा रही है।

इस यात्रा के दौरान रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर विशेष जोर दिया गया। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी संयुक्त कार्य समूह बनाने का समझौता किया।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg.
Near Diamond Talkies,
L. T. Road, Borivali (West)
Mumbai - 400 092
Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

तपती धरती, झुलसता जीवनः हीटवेव की चुनौती

-ललित गर्ग

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा रोगी तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं।

हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे हृअर्बन हीट आइलैंडह प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती।

दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्ठी बन जाते हैं। गर्मी का यह सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है-गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है।

गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो।

सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतें और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। हृकूल रूफह तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं।

भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था। आज उस परंपरा को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। समाज, धार्मिक संस्थाएं और स्वयंसेवी संगठन मिलकर जल सेवा और राहत कार्यों का अभियान चला सकते हैं। गर्मी और जल संकट को राजनीति का विषय बनाने के बजाय सहयोग और समाधान का विषय बनाना होगा। जल विवादों और संसाधनों पर स्वार्थपूर्ण राजनीति भविष्य को और कठिन बनाएगी। आवश्यकता इस बात की है कि जल प्रबंधन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु अनुकूलन को राष्ट्रीय सहमति का विषय बनाया जाए।

वर्ष 2026 की यह झुलसाती गर्मी हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन स्थापित नहीं किया तो आने वाले वर्षों में स्थिति और विकराल होगी। पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, जैव विविधता नष्ट होगी, खाद्य संकट गहराएगा और मानव जीवन अधिक कठिन हो जाएगा। यह समय प्रकृति से संघर्ष का नहीं, उसके साथ सामंजस्य का है। हमें विकास की ऐसी दिशा चुननी होगी जिसमें पर्यावरण, मानव जीवन और भविष्य सुरक्षित रह सके। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब सूरज की तपिश केवल असुविधा नहीं, अस्तित्व का संकट बन जाएगी।

विचारधारा और चेहरे नहीं, मुफ्त की रेवड़िया जीत रही चुनाव

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

देश में मौजूदा राजनितिक दलों द्वारा चुनाव पूर्व एक से बढ़कर एक मुफ्त सुविधाओं की घोषणाओं का आकर्षण मतदाता को लगातार लुभा रहा हैं। मतदाता सियासी दलों की रेवड़ी संस्कृति से खासा प्रभावित दिखाई दे रहे हैं। यह मुफ्त की सुविधाएं देश के आमजन के लिए मतदान का मुख्य आधार बन गयी हैं। चुनाव में मुफ्त सुविधाओं का बढ़ता प्रचलन और मतदाताओं के मन में मुफ्त की रेवड़ियों के प्रति बढ़ते आकर्षण को देखकर कोई भी राजनैतिक पार्टी यह दावा करने की स्थिति में नहीं हैं, की चुनाव हमारी विचारधारा ने या फिर हमारे इस नेता के चेहरे के बल पर जीता गया हैं। क्योंकि जीत तो मुफ्त की सुविधाएं रही हैं।

मुफ्त की रेवड़ियों ने देश के आम नागरिक को निष्क्रिय, निकम्मा और अकर्मण्य बना दिया हैं। देश में मौजूदा राजनैतिक दल एनकेन प्रकारेन चुनावी रण में विजय होने के लिए अपनी विचारधारा सहित देश की जड़ो को कमजोर करने का काम कर रहे हैं। इस काम में कोई एक दल नहीं सब के सब लगे हुए हैं और लगातार बढ़ रहे हैं। दलों के नेता, कार्यकर्ता जीत का जश्न बना रहे हैं, वह अपने दल के नेताओं से मजबूती से यह कहने की स्थिति में नहीं हैं की मुफ्त की सुविधाओं के बढ़ते प्रचलन को रोका जाना चाहिए। भारत की राजनीति में मौजूद सभी दल बेरोजगारों, किसानों, गरीबों, दिव्यागो एव महिलाओं के नाम पर दी जाने वाली आर्थिक सहायताओं की घोषणा चुनाव पूर्व अपने घोषणा-पत्रों में करते हैं। चुनावी जीत के बाद इस पर अमल भी होता हैं, पूर्व चुनावों में की गयी घोषणाए राज्य और राष्ट्र के खजाने पर आर्थिक बोझ का महत्वपूर्ण कारण बन गयी हैं। राज्य सरकारें कर्ज लेकर हर माह किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं को सहायता राशि प्रदान कर रही हैं। जबकि राजनैतिक दलों को देश के किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं और गरीबों को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास करना चाहिए। जनकल्याण के नाम पर जनता को निष्क्रिय बनाती मुफ्त की रेवड़ियों का यह सिलसिला कहाँ जाकर रुकेगा इसे कौन रोकेगा कहना मुश्किल हैं।

अभी हाल में पांच राज्यों के चुनावों पर आते हैं, जिसमे तमिलनाडु में टीवीके ने अभिनेता थालपति विजय के नैतृत्व में सबसे अधिक सीटे प्राप्त की और बहुमत भी सिद्ध किया। पार्टी टीवीके ने महिलाओं को कलाईनार मग उरमाई थिट्टम के तहत 2500 रु आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की, जिसके तहत मई 2026 को 1000 रु सभी लाभार्थियों के खातों में भेज दी गयी। टीवीके ने मुफ्त गैस सिलेंडर, गरीब बेटियों की शादी, बेरोजगारों को आर्थिक सहायता देने का वायदा भी किया था। जबकि तमिलनाडु की पूर्ववर्ती एमके स्टालीन सरकार महिलाओं को कलाइगणार मगलीर उरीमाई थोगई योजना के तहत 1000 रु मासिक की आर्थिक सहायता दे रहे थी । टीवीके के द्वारा 1000 के स्थान पर 2500 का पैकेज अधिक आकर्षण वाला दिखाई दिया। तमिलनाडु में आकर्षक घोषणा-पत्र विजय रहा, जबकि टीवीके इस विजयी को अभिनेता थालपति विजय के चेहरे पर जितना बता रही हैं।

बंगाल चुनाव जहां भाजपा ने टीएमसी को पराजित कर राज्य में पहली बार सरकार बनाई का दावा हैं की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के कुशल संगठन ने बंगाल का किला फतह किया। बंगाल में पूर्ववर्ती टीएमसी सरकार महिलाओं को लक्ष्मी भंडार योजना के तहत समान्य वर्ग की महिलाओं को 1500 एवं एससी, एसटी वर्ग की महिलाओ को 1700 रु मासिक आर्थिक सहायता प्रदान कर रही थी। भाजपा ने अपने संकल्प-पत्र में अन्नपूर्णा योजना के तहत 3000 रु मासिक राशि दिए जाने की बात कही पैकेज आकर्षक था। बंगाल में भाजपा विजय रही।

यही बात केरल कांग्रेस नैतृत्व वाले युडीएफ ने इंदिरा ग्यारंटी के नाम पर महिलाओ के लिए मुफ्त परिवहन, बुजुर्गो के लिए सामजिक सुरक्षा की राशि 3000रु तक बढ़ाने सहित आकर्षक चुनावी घोषणा -पत्र मतदाताओं के आकर्षण का केंद्र रहा।

असम और पंडूचेरी के चुनाव में भी मुफ्त की सुविधाएं चुनाव जिताओ साबित हुई हैं। इन पांचो राज्यों में विजय का प्रमुख आधार विजयी दल के घोषणा-पत्र में उल्लेखित लुभाती मुफ्त की रेवड़िया रही हैं। मुफ्त की इन घोषणाओ के साथ धर्म, जाति, भाषा की राजनीति ने सहयोगी की भूमिका निभाई। यह विकसित, प्रगतिशील और आत्मनिर्भर भारत के लिए विचारणीय प्रश्न हैं, की प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत 81.35 करोड़ लोगो को मुफ्त अनाज प्रदान किया जाता हैं। यह देश की कुल आबादी का करीब दो तिहाई हिस्सा हैं। राज्य और केंद्र द्वारा चुनाव जितने के लिए दी जाने वाली मुक्त सुविधाओं के वितरण का इतिहास बहुत पुराना हैं। इसमें कोई एक दल नहीं देश के मौजूदा सभी राजनैतिक दल समान रूप से उत्तरदायी हैं। मुफ्त की सुविधाओं (फ्रीबीज) या रेवड़ी कल्चर पर सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई हैं। अदालत का स्पष्ट मत हैं कि बिना सोचे-समझे सभी को मुफ्त चीजें बांटने से लोगो कि काम करने कि आदत खत्म होती हैं और देश के आर्थिक विकास पर बुरा असर पड़ता हैं। यदि सुबह से शाम तक जब सरकारें मुफ्त खाना, बिजली और अन्य सुविधाएं देंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे। कुलमिलाकर राजनैतिक दलों द्वारा चुनाव जितने के नाम पर बढ़-चढ़कर मुफ्त सुविधाओं कि घोषणाए देश को आत्मनिर्भर बनाने कि दिशा में बड़ी बाधा बन गयी हैं। देश कि बड़ी आबादी आरामतलबी, निष्क्रिय और अकर्मण्य हो गयी हैं। राज्यों के खजाने खाली हैं। भारत कि मजबूती के लिए मुफ्त सुविधाओं कि इस घुड़दौड़ को रोकना होगा। आत्मनिर्भर भारत के लिए जरूरत हैं, सक्रिय मेहनती और कर्मशील हाथों कि जो पहाड़ों को खोदकर रास्ता बना ले, जो खेतों को जोत कर फसलों को लहलहा देवें, जो नदियों पर बाँध बनाकर नदियों का प्रवाह रोक दे, जो निर्माण कर सके। देश कर्मठता से बनता हैं, मुफ्त कि सुविधाएं देश कि आबादी को अकर्मण्य बना रही हैं। देश कि जनता, राजनैतिक दलों के नेता, कार्यकर्ता, सामजिक संगठनो के कार्यकताओं को यह समझना चाहिए कि उन्नत, प्रगतिशील और आत्मनिर्भर भारत मुफ्त सुविधाओं के बल पर नहीं बनाया जा सकता हैं। इस पर राष्ट्रहित में सख्ती होनी चाहिए।

-नरेंद्र तिवारी स्वतंत्र लेखक

यूपी में भी मुस्लिम लीग के साथ चुनाव लड़ सकती कांग्रेस

-संजय सक्सेना

केरल में कांग्रेस नीत यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट की सरकार बन चुकी है। इस गठबंधन में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि बहुमत के लिए कांग्रेस को उसके सहयोग पर पूरी तरह निर्भर रहना पड़ेगा। दक्षिण भारत के एक राज्य की इस जीत ने जहाँ कांग्रेस के लिए राहत की साँस दी है, वहीं मुस्लिम लीग के हौसले इतने बुलंद हो गये हैं कि उसकी नजर अब उत्तर प्रदेश की राजनीति पर भी टिक गई है। केरल में सरकार बनने के बाद इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग केरल से बाहर भी अपनी भूमिका की तलाश में जुट गई है और उसके द्वारा 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ गठबंधन की संभावनाएँ तलाशी जा रही हैं। मुस्लिम लीग के इस कदम का राज्य की राजनीति पर गहरा असर पड़ना शुरू हो गया है। यह स्थिति सिर्फ केरल तक सीमित नहीं है, इसके प्रभाव की लहरें उत्तर प्रदेश और आगे चलकर अन्य रात्यों के चुनाव तक पहुँच सकती है। इसके लिये जहाँ 2027 के चुनाव से पहले कांग्रेस ने मुस्लिम वोटों को लेकर सियासी बिसात बिछनी शुरू कर दी है,वहीं बसपा से भी कांग्रेस हाथ मिला सकती है। गौरतलब हो, मुस्लिम लीग की यूपी में संभावित चुनावी रणनीति अभी तक मुख्य रूप से सीट-आधारित और गठबंधन-आधारित दिखती है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार केरल में जीत के बाद कांग्रेस अपने लंबे समय के सहयोगी इंडियन मुस्लिम लीग को दक्षिण के बाहर भी इस्तेमाल करने की रणनीति बना रही है, और उसका सबसे बड़ा टारगेट 2027 में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव माना जा रहा है ।कांग्रेस द्वारा यूपी की मुस्लिम बहुल सीटों पर तैयार रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर अखिलेश यादव से गठबंधन नहीं होता, तो कांग्रेस इंडियन मुस्लिम लीग का यूपी में भरपूर इस्तेमाल कर सकती है। यानी कांग्रेस के मुस्लिम बहुल सीटों पर उम्मीदवार उतारने या समर्थन-आधारित दांव की संभावना है। यूपी में लीग का साथ लेकर कांग्रेस इससे सीधे बड़े राज्यव्यापी अभियान की शुरूआत कर कर सकती है, यह गठबंधन किसी बड़े गठबंधन के भीतर सीट-दर-सीट प्रभाव बनाने के लिए हो सकता है । यह रणनीति मुस्लिम मतदाताओं को यह संकेत देने के लिए भी हो सकती है कि पार्टी उनके प्रतिनिधित्व को गंभीरता से ले रही है ।सूत्र बताते हैं कि कांग्रेस आगे चलकर इंडियन मुस्लिम लीग का बिहार, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में भी उपयोग कर सकती है। फिलहाल, यूपी को सबसे बड़ा लक्ष्य बताया गया है ।

उत्तर प्रदेश में मुस्लिम वोट को लेकर सभी दलों की प्रतिस्पर्धा बढ़ी हुई है, और विश्लेषणों में कहा गया है कि 2027 में मुस्लिम वोट फिर से अहम भूमिका निभा सकता है ।इसी कारण कोई भी दल अब केवल प्रतीकात्मक राजनीति नहीं, बल्कि सीधे राजनीतिक लाभ देने वाली रणनीति तलाश रहा है । बता दें, उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनावों से पहले मुस्लिम वोटों को लेकर राजनीतिक दलों में होड़ मची हुई है। समाजवादी पार्टी अपने कोर वोट बैंक को बचाने के लिए सक्रिय है, जबकि कांग्रेस, एआईएमआईएम और कुछ हद तक भाजपा भी मुस्लिम मतदाताओं तक पहुँचने की कोशिश कर रही हैं। उत्तर प्रदेश में करीब 20 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। सूबे की कुल 143 सीटों पर मुस्लिम मतदाता अपना असर रखते हैं, जिनमें से 70 सीटों पर मुस्लिम आबादी 20 से 30 फीसदी के बीच है, जबकि 73 सीटों पर यह 30 फीसदी से अधिक है। इंडियन मुस्लिम लीग के यूपी में चुनाव लड़ने की बात कहे जाने के बीच असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की प्रमुख विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है, जिससे प्रदेश की राजनीति में नई चर्चा छिड़ गई है। मुस्लिम लीग और ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम यदि मिलकर मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर उतरती हैं तो यह समीकरण यूपी की राजनीति को पूरी तरह बदल सकता है। एआईएमआईएम ने बिहार और महाराष्ट्र में मुस्लिम बाहुल्य इलाकों पर फोकस किया और स्थानीय मुद्दों के साथ आक्रामक संगठन विस्तार किया, जिससे पार्टी का आत्मविश्वास बढ़ा है। हालाँकि 2022 के विधानसभा चुनाव में एआईएमआईएम ने 95 सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन एक भी सीट नहीं जीत सकी, क्योंकि यूपी में मुस्लिम वोटर परंपरागत रूप से समाजवादी पार्टी के साथ जाता है।

फिर भी राजनीतिक पंडितों का मानना है कि केरल में मुस्लिम लीग की बढ़ती ताकत देखकर यूपी के मुस्लिम समुदाय में एक नई जागृति आ सकती है। यदि मुस्लिम लीग और ओवैसी की पार्टी मिलकर मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर एकजुट होकर लड़ती हैं, तो समाजवादी पार्टी का परंपरागत मुस्लिम वोट बैंक टूट सकता है। अखिलेश यादव ने इस खतरे को भाँपते हुए मुस्लिम नेताओं की बैठक बुलाई है ।उधर, पिछले कुछ समय से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं के बीच जिस तरह की बयानबाजी देखने को मिली है, उसके बाद सपा-कांग्रेस गठबंधन को लेकर अटकलें लगती रहती हैं। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने तो यहाँ तक कह दिया कि यूपी में कांग्रेस को किसी बैसाखी की जरूरत नहीं है। यह बयान सीधे समाजवादी पार्टी पर चोट करने वाला था और इसने दोनों दलों के बीच खटास को और बढ़ा दिया।

बहरहाल,इतिहास गवाह है कि उत्तर प्रदेश में गठबंधन अक्सर कागज पर मजबूत गणित दिखाते हैं, लेकिन असल में दलों के बीच विश्वास और कार्यकताओं का तालमेल बहुत जरूरी होता है। 2017 और 2019 के अनुभव बताते हैं कि सपा को इन गठबंधनों से फायदा कम और नुकसान ज्यादा हुआ और दोनों दलों के वोट बैंक एक-दूसरे में अच्छी तरह स्थानांतरित नहीं हो पाए। ऐसे में कांग्रेस अब बसपा के साथ गठबंधन की संभावनाएं टटोल रही है। सियासी जानकारों का मानना है कि सपा से कांग्रेस की दूरी का फायदा मायावती को हो सकता है। यह समीकरण यदि बनता है तो यूपी की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर हो सकता है। कांग्रेस का दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं पर जोर और बसपा का दलित आधार मिलकर एक नई शक्ति बन सकता है। बात बीजेपी की कि जाये तो उत्तर प्रदेश में भाजपा लगातार तीसरी बार बड़े बहुमत के साथ सत्ता में आने की तैयारी में है, जबकि समाजवादी पार्टी अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्षी दल का तमगा हटाकर सत्ताधारी दल बनने के लिए मैदान में उतर गई है। इन दोनों के अलावा कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी पर भी सबकी नजर होगी। असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने मिशन-2027 का आगाज कर दिया है और मुसलमानों को जोड़ने का खास योजना बनाया है। यदि मुस्लिम लीग और एआईएमआईएम मिलकर यूपी की मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर उतरते हैं तो विपक्षी मतों का बिखराव भाजपा के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। इतिहास यह भी बताता है कि जब-जब मुस्लिम मतदाता बँटे हैं, तब-तब भाजपा ने उसका लाभ उठाया है। ऐसा लगता है कि केरल में मुस्लिम लीग की बढ़ी ताकत, यूपी में ओवैसी का विस्तार, कांग्रेस-सपा में दरार और बसपा से नये गठबंधन की संभावना। ये सभी मुद्दे मिलकर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को देश का सबसे जटिल और रोचक चुनावी मैदान बनाने वाले हैं। यूपी की 403 सीटों पर जो भी समीकरण बनेगा, वह न केवल प्रदेश की, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की दिशा भी तय करेगा। फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यह है कि मुस्लिम वोट का बिखराव किसको फायदा पहुँचाएगा और किसका सियासी किला ढहाएगा।

बेड़ी हनुमान : जहां शक्ति ने कर्तव्य की जंजीरें पहन लीं

-सुरेश गांधी

कभी-कभी भारत की आस्था भूमि में ऐसी कथाएं जन्म लेती हैं जो केवल धार्मिक आख्यान नहीं रह जातीं, बल्कि जीवन-दर्शन का स्वरूप ग्रहण कर लेती हैं। ओडिशा की पवित्र नगरी पुरी में स्थित बेड़ी हनुमान मंदिर की कथा भी ऐसी ही एक अद्भुत गाथा है। यह केवल एक मंदिर की कहानी नहीं है, बल्कि यह कर्तव्य, विश्वास, अनुशासन और भगवान-भक्त के बीच उस अनूठे संबंध की कथा है, जहां बंधन भी प्रेम का रूप बन जाता है। जब पुरी के समुद्र तट पर सूर्य की पहली किरणें जल की सतह को स्वर्णिम रंग में रंगती हैं और दूर तक उठती समुद्री लहरें अपनी गर्जना से वातावरण को भर देती हैं, तब ऐसा प्रतीत होता है जैसे प्रकृति स्वयं किसी प्राचीन कथा को दोहराने लगी हो। समुद्र की वे उठती लहरें और उनके सामने सदियों से अडिग खड़े हनुमान, दोनों मानो किसी मौन संवाद में आज भी व्यस्त हैं।

भगवान जगन्नाथ का मंदिर चार धाम में से एक माना जाता है. यह मंदिर विष्णु जी के अवतार भगवान जगन्नाथ (श्रीकृष्ण) को समर्पित है. भगवान यहां अपने बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ विराजते हैं. इस मंदिर के बारे में बहुत से लोग जानते होंगे. लेकिन यहां जगन्नाथ मंदिर की रक्षा श्रीराम के परम भक्त और संकटों को हरने वाले संकटमोचन हनुमान करते हैं. लोक मान्यता है कि मालवा के राजा इंद्रद्युम्न ने जगन्नाथ मंदिर का निर्माण करवाया था. कहते हैं कि भगवान विष्णु ने स्वयं दर्शन देकर उन्हें यह मंदिर बनवाने का आदेश दिया था, जिसकी रक्षा आज भी हनुमान जी करते हैं. कहते हैं कि यहां कण-कण में हनुमान वास करते हैं. जगन्नाथ मंदिर के पास ही रामदूत हनुमान जी का भी एक मंदिर है, जिसे बेड़ी हनुमान मंदिर के नाम से जाना जाता है. 'बेड़ी हनुमान' का शाब्दिक अर्थ है 'जंजीर वाले हनुमान' और इस नाम के पीछे एक दिलचस्प कहानी है. इस मंदिर को दरिया महावीर मंदिर भी कहा जाता है. जहां 'दरिया' का अर्थ समुद्र और 'महावीर' का अर्थ भगवान हनुमान है. ऐसी मान्यता है कि जगन्नाथ पुरी को समुदके प्रकोप से बचाना हनुमान जी का कर्तव्य है.

समुद्र की उठती लहरें जब पुरी के तट से टकराकर गर्जना करती हैं तो ऐसा लगता है मानो प्रकृति स्वयं किसी प्राचीन रहस्य को दोहराने लगी हो। एक ओर जगन्नाथ धाम की दिव्यता, दूसरी ओर अथाह जलराशि का विस्तार और इन्हीं दोनों के बीच सदियों से विराजमान हैं संकटमोचन हनुमान। यह कोई साधारण स्थान नहीं, बल्कि वह धाम है जहां शक्ति ने स्वयं को कर्तव्य के बंधन में बांध लिया। रामभक्त हनुमान का जीवन ही चमत्कारों का इतिहास रहा है। कभी उन्होंने अपने आराध्य श्रीराम के लिए समुद्र लांघा, कभी संजीवनी लाकर मृत्यु के मुख से लक्ष्मण को वापस खींच लाए, तो कभी अपने वक्षस्थल को चीरकर संसार को दिखा दिया कि उनके हृदय में बसते हैं राम और जानकी। किंतु पुरी का बेड़ी हनुमान मंदिर इन सभी कथाओं से अलग एक ऐसी अद्भुत गाथा कहता है, जहां पराक्रम से अधिक कर्तव्य और भक्ति की महिमा दिखाई देती है। लोकविश्वास है कि यहां विराजमान हनुमान अपने भक्तों की रक्षा के लिए स्वयं बंधन स्वीकार कर बैठे। समुद्र की मयार्दा बनाए रखने वाले यह वही महावीर हैं, जिनके दर्शन मात्र से जीवन के संकट दूर होने की मान्यता है। यहां चढ़ाया गया सिंदूर श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है और भक्त विश्वास करते हैं कि यहां की गई प्रार्थना खाली नहीं लौटती। यह मंदिर केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि विश्वास का वह प्रहरी है जहां आज भी समुद्र की लहरों के बीच भक्ति की कहानी जीवित है

समुद्र और श्रद्धा का मिलन होता है

कहते हैं यह संवाद आज का नहीं, सदियों पुराना है। वह समय था जब जगन्नाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही थी। देश के विभिन्न भागों से भक्त लंबी यात्राएं तय कर पुरी पहुंचते थे। कोई पैदल आता था, कोई बैलगाड़ियों से, कोई तपती धूप और वर्षा की कठिनाइयों को पार करके यहां पहुंचता था। उनके मन में केवल एक ही इच्छा होती थी, जगन्नाथ के दर्शन। लेकिन समुद्र जैसे उनकी परीक्षा लेने लगा था।

भगवान ने अपने भक्त को सौंपा समुद्र की रक्षा का कार्य

लोककथाओं में कहा जाता है कि उस समय समुद्र अपनी सीमाओं को बार-बार लांघने का प्रयास करता था। उसकी ऊंची उठती लहरें नगर की ओर बढ़ आती थीं। कई बार श्रद्धालुओं को भय का सामना करना पड़ता था। लोग चिंतित रहने लगे कि यदि समुद्र इसी प्रकार आगे बढ़ता रहा तो भक्तों की सुरक्षा संकट में पड़ जाएगी। तब भगवान जगन्नाथ ने अपने सबसे विश्वसनीय सेवक को स्मरण किया। वह सेवक था, असीम शक्ति का स्वामी, रामभक्ति का सर्वोच्च प्रतीक, संकटों को पल भर में हर लेने वाला पवनपुत्र हनुमान। कथा कहती है कि भगवान जगन्नाथ ने हनुमान जी से कहा, हे महावीर! भक्तों की रक्षा हमारा प्रथम धर्म है। तुम समुद्र तट पर रहकर इसकी मयार्दा पर दृष्टि रखो और इसे सीमा लांघने से रोको। हनुमान जी ने बिना किसी प्रश्न के प्रभु की आज्ञा स्वीकार कर ली। यह उनका स्वभाव भी था। रामकथा से लेकर जगन्नाथ धाम तक उनकी पहचान आदेश के पालन में रही है। उन्होंने समुद्र के समीप अपना स्थान ग्रहण किया और समुद्र पर अपनी दृष्टि बनाए रखी।

वह प्रसंग जिसने जन्म दिया बेड़ी हनुमान को

कहते हैं, इसके बाद समुद्र शांत हो गया। उसकी लहरें मर्यादा में रहने लगीं। भक्त निर्भय होकर आने लगे। लोगों के मन में यह विश्वास बैठ गया कि अब स्वयं हनुमान उनकी रक्षा कर रहे हैं। लेकिन कथा यहां समाप्त नहीं होती। एक दिन ऐसा आया जब हनुमान जी अपने निर्धारित स्थान से कुछ समय के लिए हट गए। लोकविश्वास इस प्रसंग को कई प्रकार से कहता है। कुछ कथाएं बताती हैं कि वे महाप्रसाद की ओर आकर्षित होकर चले गए, तो कुछ यह कहती हैं कि जब भी हनुन के कान में राम नाम के भजन पड़ते या उनके कीर्तन की आवाज उन्हें सुनाई देती, वो पहरेदारी छोड़ उस स्थान पर चले जाते. उधर समुद्र जैसे अवसर की प्रतीक्षा कर रहा था। जैसे ही उसने देखा कि उसका प्रहरी अपने स्थान पर नहीं है, वह फिर अपनी सीमा से आगे बढ़ने लगा। ऊंची लहरों ने लोगों में भय उत्पन्न कर दिया। भक्तों में चिंता फैल गई। जब यह बात भगवान जगन्नाथ तक पहुंची तो उन्होंने हनुमान जी को बुलाया। लेकिन यहां कथा का सबसे सुंदर और भावनात्मक पक्ष सामने आता है। भगवान ने हनुमान को दंडित नहीं किया। उन्होंने उनकी शक्ति पर प्रश्न नहीं उठाया। उन्होंने केवल भक्तों की सुरक्षा को सर्वोच्च माना। कथा कहती है कि तब भगवान ने हनुमान जी को प्रेमपूर्ण आदेश के साथ बेड़ियों में बांध दिया ताकि वे अपने स्थान से कहीं न जाएं और सदैव भक्तों की रक्षा करते रहें। इसी कारण उनका यह स्वरूप बेड़ी हनुमान कहलाया। मान्यता है कि हनुमान जी भगवान जगन्नाथ के उस आदेश का आज तक पालन कर रहे हैं. वो आज भी पुरी मे जगन्नाथ मंदिर के सामने रहकर मंदिर की रक्षा कर रहे हैं.

क्या सचमुच हनुमान जी को बांधा गया था?

पहली दृष्टि में यह कथा साधारण लग सकती है। प्रश्न उठ सकता है कि जिस हनुमान ने एक ही छलांग में समुद्र पार कर लिया, जो संजीवनी पर्वत उठा लाए, जिन्हें समस्त देवताओं का वरदान प्राप्त था, उन्हें भला कौन बांध सकता है? लेकिन भारतीय परंपरा की सुंदरता यही है कि वह कथाओं के भीतर प्रतीकों को छिपाकर रखती है। वास्तव में यह जंजीरें लोहे की नहीं हैं। ये कर्तव्य की जंजीरें हैं। ये प्रेम की जंजीरें हैं। ये उत्तरदायित्व की जंजीरें हैं। हनुमान को शक्ति से नहीं, विश्वास से बांधा गया था। जीवन भी तो इसी सिद्धांत पर चलता है। मनुष्य स्वतंत्र होकर सब कुछ कर सकता है, लेकिन समाज, परिवार, संबंध और कर्तव्य उसे कुछ मयार्दाओं से बांधे रखते हैं। वही बंधन जीवन को दिशा देते हैं। यदि नदी के किनारे न हों तो वह बाढ़ बन जाती है। यदि वायु की गति नियंत्रित न हो तो वह तूफान बन जाती है। यदि शक्ति अनुशासन से न जुड़ी हो तो वह विनाश का कारण बन सकती है। शायद यही संदेश बेड़ी हनुमान की कथा देती है। आज भी पुरी आने वाले श्रद्धालु इस मंदिर में पहुंचते हैं। वे केवल दर्शन नहीं करते, बल्कि इस कथा को अनुभव भी करते हैं। समुद्र की लहरें आज भी उठती हैं, हवा आज भी उसी तरह बहती है, लेकिन लोगों के मन में एक अटूट विश्वास है कि भक्तों की रक्षा के लिए वहां आज भी हनुमान पहरे पर खड़े हैं।

कल्याण पुलिस की अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई, 34 करोड़ की हेरोइन जब्त

◆मुख्य सप्लायर समेत 5 लोग गिरफ्तार

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पुलिस की नशा विरोधी दस्ते (एंटी नारकोटिक्स सेल) ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 9 किलो 768 ग्राम हेरोइन (गर्द) जब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 34 करोड़ 18 लाख 84 हजार रुपये आंकी गई है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य सप्लायर समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसे कल्याण पुलिस की इस वर्ष की सबसे बड़ी ड्रग्स विरोधी कार्रवाई माना जा रहा है। पुलिस के अनुसार, 1 अप्रैल को सुबह करीब 7:20 बजे पुलिस उप आयुक्त, अतुल झेंडे और एसीपी अशोक होंनमाने के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल गायकवाड और पुलिस उप निरीक्षक जितेंद्र ठोके की टीम महात्मा फुले चौक थाना क्षेत्र में गश्त कर रही थी। इसी दौरान सांगलेवाडी रोड स्थित स्मशान भूमि के पास दो संदिग्ध व्यक्ति बैग के साथ दिखाई दिए। पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उन्हें हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में हेरोइन बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कासिम अब्दुल सत्तार वसईकर (38), निवासी शहापुर, ठाणे और कृष्णा नागप्पा हळेमणी (36), निवासी सायन कोळीवाडा, मुंबई के रूप में हुई। अपर पुलिस आयुक्त संजय जाधव ने बताया कि जांच को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने कासिम के शहापुर स्थित घर की तलाशी ली, जहां से 531.69 ग्राम हेरोइन और बरामद की गई। इसकी कीमत करीब 1 करोड़ 85 लाख 85 हजार रुपये बताई गई है।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि जब्त की गई हेरोइन का मुख्य सप्लायर अमजद युसुफ पठाण (47), निवासी इगतपुरी, नाशिक है। उसने यह माल गणेशन पुथुस्वामी जंगमार उर्फ अण्णा (71), निवासी सायन कोळीवाडा को बेचने के लिए उपलब्ध कराया था। वहीं कासिम वसईकर और उसका साथी सद्दाम गफूर शेख (32), निवासी कल्याण पश्चिम इस नशीले पदार्थ की सप्लाई का काम करते थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 5 अप्रैल को गणेशन जंगमार, 6 अप्रैल को सद्दाम शेख और 21 मई 2026 को मुख्य आरोपी अमजद पठाण को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने अमजद पठाण को 1 जून तक 10 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

गिरफ्तार आरोपी: 1. कासिम अब्दुल सत्तार वसईकर (38) - शहापुर, ठाणे 2. कृष्णा नागप्पा हळेमणी (36)- सायन कोळीवाडा, मुंबई 3. अमजद युसुफ पठाण (47) -इगतपुरी, नाशिक (मुख्य सप्लायर) 4. गणेशन पुथुस्वामी जंगमार उर्फ अण्णा (71)- सायन कोळीवाडा, मुंबई 5. सद्दाम गफूर शेख (32) -कल्याण पश्चिम, ठाणे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है और ड्रग्स तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। इस कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त गिरोहों पर बड़ा प्रहार माना जा रहा है।

बढ़ती मांग के बीच आईओसी द्वारा पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सप्लाई जारी रखी

मुंबई। इंडियनऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश के विभिन्न क्षेत्रों में ईंधन की मांग में वृद्धि के बावजूद पेट्रोल (एमएस), डीजल (एचएसडी) और एलपीजी की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपने संचालन और लॉजिस्टिक्स समन्वय को लगातार जारी रखे हुए है।

बढ़ी हुई मांग के पीछे विभिन्न कारण हैं, जैसे ग्रामीण कृषि क्षेत्रों में मौसमी जुताई और कटाई गतिविधियां। इसके अलावा, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के अलावा अन्य आपूर्तिकर्ताओं के बीच मूल्य अंतर के कारण ग्राहकों का रुझान सार्वजनिक क्षेत्र के रिटेल आउटलेट्स की ओर बढ़ा है। साथ ही संस्थागत और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के रिटेल फ्यूल आउटलेट्स की ओर स्थानांतरण के कारण अतिरिक्त मांग भी उत्पन्न हुई है।

इंडियनऑयल अपने देशव्यापी टर्मिनलों,डिपो,पाइपलाइनों,एलपीजी बॉटलिंग प्लांट्स और रिटेल आउटलेट्स के विस्तृत नेटवर्क के माध्यम से निर्बाध आपूर्ति बनाए हुए है। आपूर्ति टीमें, परिवहन नेटवर्क, टर्मिनल संचालन और चयनित रिटेल आउटलेट्स चौबीसों घंटे कार्यरत हैं, ताकि बाजारों में उत्पादों की निर्बाध आवाजाही और समय पर पुनःपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, निर्बाध ईंधन आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इंडियनऑयल राज्य प्रशासन के साथ निकट समन्वय बनाए हुए है।

इंडियनऑयल उपभोक्ताओं को आश्वस्त करना चाहता है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और सुचारु एवं निर्बाध आपूर्ति बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे सामान्य खरीदारी व्यवहार जारी रखें और घबराहट में अतिरिक्त खरीदारी से बचें। साथ ही, ईंधन उपलब्धता से संबंधित सटीक जानकारी के लिए उपभोक्ताओं से केवल इंडियनऑयल की अधिकृत एजेंसियों द्वारा जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का अनुरोध किया गया है। पिछले कुछ दिनों में इंडियनऑयल ने पेट्रोलियम उत्पादों की ऑफटेक में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जिसका विवरण नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है।

आईटेल ने लॉन्च किया ए100 प्रो स्मार्टफोन

मुंबई। आईटेल, जो लाखों भारतीयों तक टेक्नोलॉजी पहुंचाने के लिए मशहूर प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड्स में से एक है, ने हाल ही में धमाकेदार ए100 प्रो स्मार्टफोन लॉन्च किया है। अपने शानदार डिजाइन से हर जगह चर्चा में आया यह फोन मजबूती, स्टाइल और किफायती कीमत का बेहतरीन मेल है। ए100 प्रो स्मार्टफोन को मिलिट्री ग्रेड सर्टिफिकेशन मिला है, जो यूजर्स को बेजोड़ मजबूती और मन की शांति देता है। अल्ट्रालिंक से लैस यह फोन वहां भी कनेक्टिविटी देगा जहां नेटवर्क नहीं होता। ए100 प्रो स्मार्टफोन 3+5 जीबी रैम और 64 जीबी रोम के साथ आता है। 15 करोड़ से ज्यादा ग्राहकों का विशाल भरोसा, 1.3 लाख से अधिक रिटेल आउटलेट्स में मौजूदगी और 1000 से ज्यादा सर्विस सेंटर के साथ, वैश्विक मेमोरी कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद यह सिर्फ 8999 रुपये में उपलब्ध है, जिससे यह 10 हजार रुपये से कम में इतना प्रीमियम डिजाइन देने वाला एकमात्र ब्रांड बन जाता है। आईटेल 100 दिनों के भीतर मुफ्त स्क्रीन रिप्लेसमेंट की सुविधा भी देता है, जो भारत में केवल आईटेल ही देता है और जो बेजोड़ प्रोडक्ट क्वालिटी और भरोसेमंदता सुनिश्चित करती है। आईटेल इंडिया के सीईओ अरिजीत तलपत्रा ने कहा, आईटेल हमेशा से लाखों भारतीयों के लिए मजबूत, भरोसेमंद और किफायती प्रोडक्ट्स में अग्रणी रहा है। ए100 प्रो का यह ताजा लॉन्च उसी विरासत की अगली कड़ी है। मजबूत मिलिट्री ग्रेड बिल्ड के साथ आने वाले इसके आकर्षक डिजाइन और रंग भारत की जीवंत सांस्कृतिक विरासत को सलाम करते हैं। ताजा सीएमआर ड्यूरैबिलिटी इंडेक्स भी उस बात की पुष्टि करता है जो हमारे यूजर्स पहले से जानते हैं, कि आईटेल 10 हजार रुपये से कम कीमत वाला सबसे मजबूत और भरोसेमंद मोबाइल ब्रांड है।

दांतों की सफाई में लापरवाही, पड़ सकती है बहुत भारी: डॉ. सोनिया दत्ता

मुंबई/पटना। प्रमुख स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. सोनिया दत्ता द्वारा विशेष ओरल हेल्थ विश्लेषण से पता चलता है की अक्सर लोग दांतों के डॉक्टर के पास तभी जाते हैं जब दर्द असहनीय हो जाता है, लेकिन विशेषज्ञ इसे एक बड़ी गलती मानते हैं। दांतों की अधिकांश समस्याएं, जैसे कैविटी और मसूड़ों की बीमारी, बिना किसी दर्द के शुरू होती हैं। इसी वजह से लोग इनकी सफाई और देखभाल को नजरअंदाज करते रहते हैं। यह लापरवाही मामूली समस्या को भविष्य में एक गंभीर और बड़े नुकसान में बदल देती है, जिसका पता व्यक्ति को तब चलता है जब स्थिति काफी बिगड़ चुकी होती है। इस गंभीर स्थिति से बचने के लिए आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का मेल सबसे प्रभावी साबित हो रहा है। आयुर्वेद में नीम और लौंग जैसी चीजों को उनके एंटी-बैक्टीरियल गुणों के लिए जाना जाता है, जो बैक्टीरिया को खत्म करने और मसूड़ों को स्वस्थ रखने में मदद करते हैं। डाबर रेड पेस्ट इन्हीं प्राकृतिक गुणों को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़ता है। इसे इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा भी प्रमाणित किया गया है, जो यह साबित करता है कि यह पेस्ट दांतों की गंदगी को रोकने और बीमारियों से बचाने में पूरी तरह सक्षम है। दांतों के लंबे स्वास्थ्य के लिए केवल इलाज पर निर्भर रहने के बजाय अच्छी आदतें अपनाना जरूरी है। डाबर रेड पेस्ट जैसे भरोसेमंद टूथपेस्ट से दिन में दो बार ब्रश करना, मीठा कम खाना और नियमित रूप से डॉक्टर से जांच करवाना बेहद जरूरी है।

सोनाटा ने लॉन्च किया वैडिंग कैंपेन ग्रो, टुगेदर, आधुनिक भारत की शादियों में हो रहे बदलावों पर डाली रोशनी

मुंबई/पटना। आज के जमाने में शादियां सिर्फ परम्पराओं से ही परिभाषित नहीं होतीं, बल्कि दो लोगों के एक साथ मिलकर आगे बढ़ने, मिलजुल कर सपने देखने तथा रोजमर्रा के पलों एवं एक दूसरे की महत्वाकांक्षाओं को सहयोग देने से पहचानी जाती हैं। रिश्तों की इसी बदलती भावना को दशार्ते हुए, भारत के सबसे ज्यादा बिकने वाले वॉच ब्राण्ड सोनाटा लेकर आए हैं अपना वैडिंग कैंपेन ग्रो, टुगेदर। साथ ही ब्राण्ड ने अपने विशेष रूप से डिजाइन किए गए नए वैडिंग वॉच कलेक्शन का भी लॉन्च किया है। शादी से जुड़ी आम अवधारणाओं से आगे बढ़कर, यह कैंपेन आज के दौर में रिश्तों की उस भावना को दशार्ता है, जहां कपल्स-व्यक्तिगत, पेशेवर एवं भावनात्मक रूप से- एक साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं।

करिश्मा कपूर को 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में वैदेही के अंदर दिखी 'हीरोइन बनने की क्षमता'

मुंबई/पटना। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'इंडिया वाला डांस' का जश्न मनाने वाले शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के प्रीमियर में शिमला, हिमाचल प्रदेश की रहने वाली प्रतियोगी वैदेही चौहान पर सभी की निगाहें टिकी रहीं। अपनी शानदार सिनेमाई विरासत के लिए जानी जाने वाली जज करिश्मा कपूर वैदेही के हीरोइन जैसे अंदाज और तकनीकी बारीकी को देखकर तुरंत मंत्रमुग्ध हो गईं। डांस के अलावा, वैदेही ने पैनल के साथ अपनी कहानी साझा करके सभी को भावुक कर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे उन्होंने अपनी लगन और संघर्ष के जरिए अपने जुनून को पूरा करने के लिए एक आरामदायक जिंदगी को पीछे छोड़ दिया, क्योंकि उनका मानना है कि इंसान का विकास उसके कंफर्ट जोन (आरामदेह दायरे) से बाहर निकलने पर ही होता है।

किशोर पाटिल सहायक पुलिस उपनिरीक्षक पद पर नियुक्त

वसई (उत्तरशक्ति)। वाहतुकचंचंणण शाखा द्वारा मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय में किशोर पाटिल को सहायक पुलिस उपनिरीक्षक पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति से पुलिस विभाग के साथ-साथ उनके सभी साथी पुलिस मित्रों और शुभेच्छुकों में खुशी का माहौल है। सभी ने उन्हें शुभकामनाएं और बधाई दी। इस अवसर पर किशोर पाटिल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी ईमानदारी, तन-मन और समर्पण के साथ करेंगे। उन्होंने समाज और आम नागरिकों की सेवा को अपनी प्राथमिकता बताते हुए भरोसा दिलाया कि वे अपने कर्तव्यों का पालन निष्ठा और जिम्मेदारी से करेंगे।

कल्याण-डोंबिवली जल्द बनेगा विकास और रोजगार का बड़ा केंद्र : सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे

कल्याण से मुंबई, नवी मुंबई और वसई-विरार के लिए जल्द शुरू होगी जल परिवहन

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने कहा कि महायुति सरकार मुंबई पर बढ़ते दबाव को कम करने के लिए एमएमआर क्षेत्र में बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं शुरू कर रही है। डेटा सेंटर, लॉजिस्टिक हब, मेट्रो विस्तार और जल परिवहन जैसी परियोजनाओं के कारण कल्याण-डोंबिवली आने वाले समय में विकास और रोजगार का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि बढ़वण बंदरगाह परियोजना में करीब ७५ हजार करोड़ का निवेश होगा, जिससे लाखों रोजगार पैदा होंगे। वहीं कल्याण रोड, ऐरोली-कटई फ्रीवे, मेट्रो और वॉटर ट्रांसपोर्ट परियोजनाओं से पूरे क्षेत्र की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के तहत देशभर में १०१ जलमार्ग विकसित किए जा रहे हैं। इसी के तहत कल्याण को जलमार्ग के जरिए मुंबई, नवी मुंबई और वसई-विरार से जोड़ा जाएगा। इसके लिए जेट्टी निर्माण का काम भी शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि एमएमआर क्षेत्र में करीब ४ लाख करोड़ की परियोजनाएं प्रगति पर हैं। साथ ही मुंबई और आसपास के इलाकों में ३७७ किलोमीटर लंबा मेट्रो नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इससे स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और मुंबई तक रोज यात्रा करने की जरूरत कम होगी। डॉ. श्रीकांत शिंदे ने यह भी बताया कि बदलापुर से मुंबई और नवी मुंबई एयरपोर्ट तक एक्सेस कंट्रोल रोड बनाया जा रहा है, जिससे ट्रैफिक की समस्या कम होगी। वहीं अंबरनाथ के ऐतिहासिक शिव मंदिर का विकास सोमनाथ और महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर किया जाएगा, जिस पर करीब २०० करोड़ खर्च किए जाएंगे।

क्लस्टर योजना बनेगी गेमचेंजर: डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कहा कि तेजी से बढ़ते शहरीकरण के बीच क्लस्टर योजना आम लोगों के लिए आधुनिक सुविधाओं वाले घर उपलब्ध कराने में बड़ी भूमिका निभाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा शुरू की गई इस योजना को मुंबई, ठाणे, कल्याण, डोंबिवली और अंबरनाथ में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा।

हिंदुओं की कम होती जनसंख्या देश के लिए खतरनाक : मिलिंद परांड

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। विश्व हिंदू परिषद द्वारा पालघर और बोईसर में धर्म रक्षा निधि समर्पण कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में विहिप के अंतर्राष्ट्रीय संगठन मंत्री मिलिंद परांडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संगठित होकर कार्य करना होगा। परांडे ने कहा कि हिंदुओं की गिरती जनसंख्या खतरनाक है। भारत की लाखों महिलाएं लव जिहाद की जाल में फंस गई है। इनके बड़ी संख्या नाबालिग बच्चियों का है। जिन्हें वापस लाने का कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि दो लाख से ज्यादा गोवंश का जीवन विहिप और बजरंग दल बचा रहे है।

विहिप नेता मुकेश दुबे ने कहा कि धर्म रक्षा केवल संगठन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक हिंदू समाज का कर्तव्य है। अपनी संस्कृति, परंपरा और धार्मिक विरासत को सुरक्षित रखने के लिए समाज को संगठित होकर आगे आना होगा। कार्यक्रम में मुंबई क्षेत्र के मंत्री रामचंद्र रामुका, कोकण प्रांत अध्यक्ष, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रीराज नायर तथा सह धर्मप्रसार प्रमुख संदीप भगत कोंकण विभाग के सह मंत्री चंदन सिंह, जिला मंत्री जयेश घरत,

जिला अध्यक्ष महावीर जैन तथा विहिप नेता मुकेश दुबे,टीमा के उपाध्यक्ष वीरेंद्र ठाकुर, बजरंग दल के जिला संयोजक कुंदन सिंह,राम रंजन सिंह,भाजपा के जिला सचिव प्रकाश सिंह उत्तर भारतीय मोर्चा के अध्यक्ष आरबी सिंह,अरविंद सिंह,सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारतीय किसान यूनियन के प्रयागराज मंडल अध्यक्ष व खेड़ुआ ग्रामसभा के प्रधान का भिवंडी में हुआ भव्य स्वागत

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। प्रयागराज जिले की खेड़ुआ ग्रामसभा के प्रधान तीरथ सिंह यादव अपने दो दिवसीय मुंबई प्रवास के दौरान भिवंडी पहुंचे, जहां उनका यदुवंशी समाज सेवा संस्था की ओर से गर्मजोशी के साथ स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस दौरान उन्होंने टाटा हॉस्पिटल में इलाज करा रहे अपने ग्रामसभा के कैंसर पीड़ित मरीज से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। बतादें कि तीरथ सिंह यादव अपने क्षेत्र में एक कर्मठ, मिलनसार और जनहितैषी प्रधान के रूप में पहचाने जाते हैं। ग्रामीण विकास, सामाजिक कार्यों और जरूरतमंदों की सहायता के लिए वे सदैव सक्रिय रहते हैं। मुंबई प्रवास के दौरान उन्होंने अपने क्षेत्र व समाज के लोगों से मुलाकात कर आपसी भाईचारे और सामाजिक एकता को मजबूत करने पर जोर दिया। भिवंडी निवासी यदुवंशी समाज सेवा संस्था के राष्ट्रीय सचिव आचार्य सूरजपाल यादव के आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में तीरथ सिंह यादव को अंग वस्त्र एवं यादव समाज की सामाजिक पुस्तिका यदु यादव कोश भेंट कर सम्मानित किया गया।

इसी अवसर पर भारतीय किसान यूनियन प्रयागराज मंडल अध्यक्ष संजय यादव (गांधी) तथा समाजसेवी सुधीर यादव का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के युवाओं को शिक्षा, सामाजिक जागरूकता और संगठन से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। उपस्थित लोगों ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए युवाओं की सकारात्मक भागीदारी बेहद आवश्यक है। साथ ही गाँवों के विकास, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर कुंभकर्ण यादव, मनीष यादव, राजकुमार, पिंटू यादव, सौरभ सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का वातावरण आत्मीयता, भाईचारे और सामाजिक सौहार्द से परिपूर्ण रहा।

केडीएमसी की अवैध निर्माणो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका ने अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ बड़ी सख्त कार्रवाई करते हुए टिटवाला के आ प्रभाग के बल्याणी क्षेत्र में लगभग 280 अवैध निर्माण पर बुलडोजर चलाते हुवे बड़ी कार्रवाई की। यह अभियान महापालिका आयुक्त अभिनव गोयल के निर्देश पर तथा अतिरिक्त आयुक्त योगेश गोडसे और उपायुक्त प्रसाद बोरकर के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में चलाया गया। महापालिका प्रशासन द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान में अवैध निर्माण नियंत्रण विभाग की सहायक आयुक्त सुषमा मांडगे, आ प्रभाग के सहायक आयुक्त जयवंत चौधरी, ड प्रभाग के सहायक आयुक्त उमेश यमगर, सी प्रभाग के सहायक आयुक्त धनंजय थोरात, एफ प्रभाग के सहायक आयुक्त प्रसाद ठाकूर तथा जी प्रभाग के सहायक आयुक्त जयराम शिंदे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल रहे। कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए महापालिका मुख्यालय के पुलिस अधिकारियों, टिटवाला पुलिस स्टेशन के पुलिसकर्मियों तथा अवैध निर्माण नियंत्रण पथक का भी सहयोग लिया गया। प्रशासन ने अभियान के दौरान एक पोकलेन मशीन और चार जेसीबी मशीनों का उपयोग कर अवैध निमार्णों को ध्वस्त किया। महापालिका प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में अनधिकृत निमार्णों के खिलाफ आगे भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएंगे। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप मच गया है।

भिवंडी मनपा प्रवेश द्वार पर श्रमजीवी संगठना का धरना आंदोलन के बाद मनपा ने सौंपा मृतक परिवार को 10 लाख रुपये का चेक

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शांतीनगर क्षेत्र में नाला सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से आदिवासी समाज के सफाई कर्मी स्व. सुभाष नवशा दिघे (44) की हुई दर्दनाक मौत के बाद श्रमजीवी संगठना द्वारा मनपा प्रवेश द्वार पर धरना आंदोलन किया गया। धरना आंदोलन के बाद मनपा की ओर से मृतक के परिवार को तत्काल सहायता के रूप में 10 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। घटना के बाद श्रमजीवी संघटना की अध्यक्ष सीता घाटाल तथा श्रमजीवी महाराष्ट्र राज्य कामगार संघटना के अध्यक्ष सुलतान पटेल ने मनपा आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की थी। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि बिना सुरक्षा उपकरण, ऑक्सीजन व्यवस्था और गैस डिटेक्शन मशीन के मजदूरों को नाले में उतारा गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। संगठना ने इसे ह्लमैनुअल स्कैवेंजिंग प्रतिबंध कानून 2013ह्व के उल्लंघन का मामला बताते हुए दोषियों पर कानूनी कार्रवाई, ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने, मृतक के परिवार को 20 लाख रुपये मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को स्थायी नौकरी देने की मांग की है। मनपा प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दिए जाने के बावजूद कामगार संगठना ने कहा है कि जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती और भविष्य में सफाई कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। संगठना ने यह भी मांग की कि भविष्य में नाला, गटर और मैनहोल सफाई का कार्य पूरी तरह मशीनों के माध्यम से कराया जाए ताकि मजदूरों की जान जोखिम में न पड़े। इस अवसर पर श्रमजीवी संगठना के राज्य कार्याध्यक्ष बालाराम भोईर, ठाणे जिलाध्यक्ष अशोक सापटे, जिला उपाध्यक्ष सागर देशक, ठाणे महासचिव दशरथ भालके, जिला महिला प्रमुख जया पारधी, उपाध्यक्ष दत्तात्रेय कोलेकर, ठाणे जिला उपाध्यक्ष मुकेश भांगरे, तालुका प्रदीप चौधरी, तालुका उपाध्यक्ष गुलाब म्हस्कर, गुरुनाथ जाधव, तालुका सचिव तानाजी लाहांगे, तालुका महिला उपाध्यक्ष स्वाती शिंदे, कविता कदम, तालुका कामगार अध्यक्ष महेंद्र निरगुडा, नंदा वाघे, सूरज दलवी आदि अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

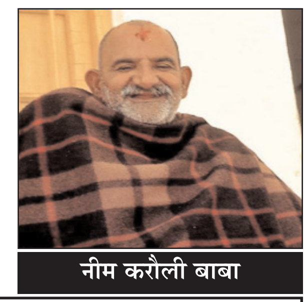
नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बदहाल बिजली व्यवस्था के खिलाफ जिला कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले में चरमराई हुई बिजली व्यवस्था के विरोध में आज जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद सिंह एवं शहर अध्यक्ष आरिफ खान के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव करते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। शहर के विभिन्न इलाकों में पिछले पाँच दिनों से लगातार हो रही बिजली कटौती से आक्रोशित जनता सड़कों पर उतर आई और प्रशासन के खिलाफ तीखी नारेबाजी की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद सिंह ने कहा हम यहाँ मजबूरी में नहीं, बल्कि जनता की आवाज बनकर खड़े हैं। जौनपुर की जनता पाँच दिनों से अंधेरे में जीने को मजबूर है। भीषण गर्मी में बच्चे, बुजुर्ग और मरीज त्राहि-त्राहि कर रहे हैं, लेकिन प्रशासन गहरी नींद में है। यह सिर्फ बिजली की समस्या नहीं, बल्कि प्रशासन की घोर लापरवाही का उदाहरण है। जब जनता समय से बिल जमा करती है, तो उसे सुविधाएं क्यों नहीं मिलतीं? यदि पाँच घंटे के भीतर व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई, तो कांग्रेस पार्टी बड़ा जनआंदोलन छेड़ेगी।

वहीं शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने अपने संबोधन में कहा जौनपुर की जनता के साथ हो रहा अन्याय अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पाँच दिनों से बिजली गुल है, लोग पानी के लिए तरस रहे हैं, कारोबार ठप हो चुका है, लेकिन प्रशासन के पास कोई जवाब नहीं है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि जनप्रतिनिधियों की भी सुनवाई नहीं हो रही। पाँच घंटे के भीतर हालात नहीं सुधरे, तो यह आंदोलन और उग्र होगा और हर गली-मोहल्ले में जनता के साथ मिलकर संघर्ष किया जाएगा।

जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव ,पाँच घंटे का अल्टीमेटम

धरने में रौजा अर्जन के सभासद सहनवाज मंजूर ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि हम कांग्रेस के सभासद हैं, इसलिए प्रशासन हमारे फोन तक नहीं उठा रहा है और न ही कोई अधिकारी मौके पर जा रहा है। क्षेत्र की जनता अंधेरे में जीने को मजबूर है, लेकिन जिम्मेदार लोग अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों में भारी आक्रोश देखने को मिला। जिला कांग्रेस नेतृत्व ने प्रशासन को पाँच घंटे का स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई, तो कांग्रेस पार्टी व्यापक और उग्र जनआंदोलन के लिए बाध्य होगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। अंत में प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए धरना फिलहाल स्थगित कर दिया गया है

उक्त कार्यक्रम में प्रदेश सचिव सत्यवीर सिंह, इरसाद खान, राकेश सिंह डब्बू, देवराज पांडेय, राजकुमार निषाद, जैद सिद्दीकी, नसरीन, मुन्ना, मसूद अहमद, अजीज खान, शाहिना बेगम, परवीन, सुल्तान, मो. ताहिर, इकबाल सहित सैकड़ो महिलाये और कार्यकर्ता उपस्थित रहे !

तहसील व पुलिस पर गलत कार्रवाई का आरोप लगाते टावर पर चढ़ा युवक, गिरने से मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के उतरीजपुर गांव में गुरुवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब राजस्व विभाग और पुलिस पर गलत कार्रवाई का आरोप लगाते हुए मोबाइल टावर पर चढ़े युवक की नीचे गिरकर मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर पहुंचे परिजनों और स्थानीय लोगों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर हंगामा किया। क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, विशेषरपुर (साईनाथ) निवासी श्रीप्रकाश यादव (30) गुरुवार सुबह गांव स्थित मोबाइल टावर पर चढ़ गया था। उसका आरोप था कि राजस्व विभाग और बक्शा पुलिस ने उसके खिलाफ गलत कार्रवाई की है। श्रीप्रकाश ने चेतावनी दी थी कि जब तक कोई उच्च अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचेगा, वह नीचे नहीं उतरेगा। करीब तीन घंटे तक युवक तेज धूप में टावर पर चढ़ा रहा। उसकी मां और गांव के लोग लगातार उसे नीचे उतरने के लिए समझाते रहे। सूचना मिलने पर तहसीलदार सदर, थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार, फायर ब्रिगेड टीम और राजस्व कर्मी मौके पर पहुंचे। काफी देर तक समझाने के बाद युवक नीचे उतरने लगा, लेकिन इसी दौरान अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल श्रीप्रकाश को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजन और ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। लोगों ने प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कार्रवाई की मांग की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जौनपुर में जनगणना 2027 की फील्ड गतिविधियां शुरू, 8 हजार से अधिक गणनाकर्मी मैदान में उतरे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार जनपद जौनपुर में

जनगणना 2027 से संबंधित फील्ड गतिविधियों का शुभारंभ शुक्रवार 22 मई 2026 से उत्साह और उमंग के साथ कर दिया गया।

जनपद में 8 हजार से अधिक गणनाकर्मी फील्ड में उतरकर जनगणना के राष्ट्रीय कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में जुट गए हैं। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी नागरिक जनगणना कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करें तथा गणनाकर्मियों को सही एवं पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि सही आंकड़े ही भविष्य की योजनाओं और विकास कार्यों का मजबूत आधार बनते हैं।

जिला प्रशासन ने लोगों से किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना या अफवाहों से बचने तथा केवल अधिकृत स्रोतों से प्राप्त जानकारी पर ही विश्वास करने का अनुरोध किया है। प्रशासन ने ह्रसही जानकारी, बेहतर योजनाह्र के संदेश के साथ जनभागीदारी को सफल जनगणना की कुंजी बताया।

जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य में लगाए गए प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि यह कार्य धैर्य, समर्पण और राष्ट्रसेवा की भावना का प्रतीक है। उन्होंने सभी कर्मियों को गर्मी और धूप से बचाव करते हुए पर्याप्त पानी पीने तथा पूरी सावधानी के साथ कार्य करने की सलाह दी।

उन्होंने कहा कि गणनाकर्मियों की मेहनत और ईमानदारी से ही देश की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जिससे भविष्य की योजनाओं को सटीक दिशा मिल सकेगी। साथ ही फील्ड में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल उच्चाधिकारियों को अवगत कराने के निर्देश भी दिए गए।

मानीकलां में डिजिटल सुविधा की नई शुरूआत, क्यूआर कोड आधारित एटीएम सेवा का शुभारंभ

मानीकलां, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास खण्ड सोंधी शाहगंज क्षेत्र के कस्बा मानीकलां स्थित नसीराबाद चौक पर पूर्व प्रधान नेयाज अहमद कटरा में वक्रांगी कम्पनी द्वारा आम जन की सुविधा के लिए दफ कोड आधारित एटीएम निकासी सेवा का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में भारत प्रेस क्लब वाराणसी मंडल अध्यक्ष डॉ. इम्तियाज अहमद एवं भारत प्रेस क्लब वाराणसी मंडल उपाध्यक्ष मास्टर मेराज अहमद ने फीता काटकर एटीएम सेवा का उद्घाटन किया।

कार्यक्रम के दौरान आम जन को डिजिटल बैंकिंग सुविधाओं की जानकारी देते हुए बताया गया कि अब दफकोड के माध्यम से आसानी से नकदी निकासी की जा सकेगी, जिससे ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्र के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

इसी अवसर पर 'आमिर ट्रेवल्स' का भी पुनः उद्घाटन किया गया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में आधुनिक सुविधाओं की शुरूआत पर खुशी जताते हुए इसे विकास और जनसुविधा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में डॉ. वकील अहमद, मास्टर शफीक, कमालुद्दीन, अनीस अहमद, जमील अहमद, अबुहुजैफा, महमूद, फरहान अहमद सलमानी, मो. हैदर खान, मो. आकिब, अब्दुल माजिद, मो. तबरेज, हाशिम, शमशाद, मो. अजमल अंसारी, उबैद, अहमद शाह, मोहम्मद सुलतान, अहसन, जीशान, उमर, वसीउल्लाह, अजीम, उसमान, हमजा, हाजी रिजवान अहमद, फखरुद्दीन, मो. आदिल, बेलाल अहमद एवं मो. शाहिद बाराबंकी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। अंत में सीएससी केंद्र प्रभारी श्री मो. आसिफ सिद्दीकी ने सभी सम्मानित अतिथियों एवं उपस्थित जनों के प्रति अपना धन्यवाद व्यक्त किया।

सरकार व वीडीए की बुद्धि शुद्धि के लिए हरसोस के प्रभावित किसानों ने कलश यात्रा के साथ किया यज्ञ

हरसोस गांव बना पुलिस छावनी, चप्पे चप्पे पर पुलिस व पीएसी बल तैनात

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के हरसोस गांव में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ हरसोस, गंजारी, हरपुर गांव के प्रभावित किसानों ने एकजुट होकर मंगल बाबा के मंदिर पर शुक्रवार को सुबह सरकार तथा वीडीए के बुद्धि शुद्धि के लिए हवन यज्ञ तथा कलश यात्रा निकाली गयी।

हवन यज्ञ कार्यक्रम में प्रभावित किसानों के साथ दिल्ली के किराड़ी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं नेता सदन विपक्ष आम आदमी पार्टी अनिल झा भी शामिल हुए। कलश यात्रा मंगल बाबा परिसर से शुरू होकर डीह बाबा सहित गांव के सभी देव स्थलों से होते हुए पूरे ग्राम सभा का परिक्रमा कर पुनः मंगल बाबा पर पहुंचकर समाप्त हुआ। जिसमें क्षेत्र की लगभग हजारों महिलाओं सहित प्रभावित किसानों ने भाग लिया। जिसके दौरान उक्त तीनों प्रभावित गांवों में फायर ब्रिगेड के जवान, पीएससी व पुलिस बल के साथ छावनी में तब्दील हो गया जिसके दौरान एसीपी राजातालाब अजय कुमार श्रीवास्तव सहित कई थानों के पुलिस बल गांव के चप्पे चप्पे पर तैनात रहे।

पीएसी बल के साथ तैनात रहे पुलिस ने प्रभावित किसानों को रिंग रोड के सटे गंजरी स्टेडियम के पास गांव के बुढ़वा महादेव मंदिर पर लोगों को जाने से मना कर दिया पुलिस के इस निंदनीय रवैया से गांव के लोग मर्माहत और मायूस हो गए। पुलिस की मौजूदगी में प्रभावित किसानों ने अपना कार्यक्रम संपन्न किया। प्रभावित किसानों ने शासन तथा प्रशासन के इस रवैया का घोर निंदा किया। प्रभावित किसान विनय कुमार मौर्य ने बताया कि यहा की बहू फसली जमीन को सरकार द्वारा अधिग्रहण किए जाने पर हम किसान भुखमरी के शिकार तथा भूमिहीन हो जाएंगे जिसको लेकर हम प्रभावित किसानों ने यज्ञ तथा कलश यात्रा कर सांकेतिक विरोध किया।

इस दौरान प्रमुख रूप से कमलेश पटेल अजीत पटेल अरविंद पटेल विकास पटेल राजेश प्रजापति एडवोकेट उपेंद्र नारायण रामरति पटेल ममता विश्वकर्मा आरती पटेल फूल कुमारी ज्योति पटेल दुर्गावती देवी सहित सैकड़ो प्रभावित किसान गण शामिल रहे।

भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में राजभाषा जागरूकता संगोष्ठी आयोजित

वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 के लक्ष्यों पर हुई चर्चा, हिंदी में कार्य को बढ़ावा देने पर जोर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब आराजी लाइन विकासखंड क्षेत्र के शहंशाहपुर स्थित भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए राजभाषा जागरूकता संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संस्थान के सहायक निदेशक (राजभाषा) अभिनव प्रकाश ने अधिकारियों को संविधान के राजभाषा संबंधी प्रावधानों, राजभाषा अधिनियम और वार्षिक कार्यक्रम 2026-27 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संस्थान सभी कार्मिकों के सहयोग से राजभाषा के क्षेत्र में मानक स्थापित करने के लिए कार्य करेगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक राजेश कुमार ने कहा कि सभी वैज्ञानिक और अधिकारी अपना प्रशासनिक कार्य हिंदी में करें। उन्होंने पी.एम.ई. अध्यक्ष और प्रशासनिक अधिकारी को राजभाषा के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निर्देशित किया। राजेश

कुमार ने कहा कि संस्थान के सर्वांगीण विकास के लिए राजभाषा का सफल कार्यान्वयन अनिवार्य है। संस्थान के प्रशासनिक अधिकारी बलवीर सिंह ने सभी अनुभागों को हिंदी में अधिक से अधिक कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया और सरकार की राजभाषा नीति का अनुपालन करने पर बल दिया। राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्य रामेश्वर सिंह ने राजभाषा कार्यान्वयन में आने वाली समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की।धन्यवाद ज्ञापन आत्मानंद त्रिपाठी ने किया और संचालन अभिनव प्रकाश ने किया। कार्यक्रम में अनंत बहादुर सिंह, इन्दीवर प्रसाद, धनंजय प्रताप सिंह, भुवनेश्वरी एस सहित संस्थान के सभी वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी और क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्र के अधिकारी शामिल हुए।

ईद-उल-अजहा को लेकर जिला शांति समिति की बैठक सम्पन्न, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी ईद-उल-अजहा पर्व को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर कलेक्ट्रेट

सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सैमुअल पॉल एन. ने की।

बैठक में पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति एवं कानून व्यवस्था की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएं ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उन्होंने नगर निकायों को साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने एवं कूड़ा निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति तथा पेयजल व्यवस्था सुचारु बनाए रखने को कहा गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि पर्व आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी और प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी। सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित करने वालों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए।

संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता बरतने तथा पुलिस और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया गया। साथ ही अग्निशमन विभाग को त्योहार के दौरान पूरी तरह एक्टिव मोड पर रहने के निर्देश दिए गए।

कुंवर अनुपम सिंह ने कहा कि पुलिस विभाग की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल स्थानीय थाना एवं वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना देने की अपील की गई।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) परमानंद झा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, नगर मजिस्ट्रेट, पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी तथा शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में दिल दहला देने वाली वारदात का हुआ खुलासा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गोमती नगर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन के अंदर बक्से में युवती के शव के टुकड़े मिलने के मामले में पुलिस ने पिता समेत 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक नाबालिग लड़की हिंदू युवक से बात करती थी, जिससे नाराज होकर पिता ने ही उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद शव के 6 टुकड़े किए गए। हाथ-पैर और शरीर के हिस्सों को बक्से में भरकर ट्रेन में छोड़ दिया गया, जबकि सिर को तालाब में फेंक दिया गया था। आरोपी पिता ने बताया कि मोहल्ले में लोग 'काफिर' कहकर ताने देते थे। परिवार में पहले भी दो बेटियों ने हिंदू युवकों से शादी की थी, जबकि तीसरी बेटी भी एक हिंदू युवक से संपर्क में थी। इसी बात को लेकर उसने वारदात को अंजाम दिया।

15 लाख दबाकर बैठा सर्राफा कारोबारी

विधवा महिला न्याय के लिए दर-दर भटकने को मजबूर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जाफराबाद क्षेत्र के सिरकोनी के पास एक विधवा महिला की जमीन खरीदने के बाद शहर के चर्चित सरार्फा कारोबारी व मारुति एजेंसी संचालक पर 15 लाख रुपये बकाया न देने का आरोप लगा है। पीड़िता मुरब्बा देवी का कहना है कि करीब एक वर्ष पूर्व जमीन की रजिस्ट्री के समय कुछ रकम चेक के माध्यम से दी गई थी, जबकि बाकी 15 लाख रुपये बाद में देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन आज तक भुगतान नहीं किया गया। पीड़िता ने मामले को लेकर कोर्ट में मुकदमा दाखिल कर रखा है और डीएम व एसडीएम को शिकायती पत्र देकर लगातार न्याय की गुहार लगा रही है। आरोप है कि शहर में कीर्ति कुंज शोरूम के नाम से मारुति एजेंसी संचालित करने वाले इस कारोबारी ने कई जगह जमीन-जायदाद बना रखी है, लेकिन एक विधवा महिला का बकाया भुगतान करने में टालमटोल कर रहा है। मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के बदलापुर तहसील अंतर्गत स्थित सियरावासी गांव में 01 जून, 2026 से 07 जून, 2026 तक शाम 6 बजे से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया गया है। कथावाचक के रूप में काशी के प्रख्यात कथा वाचक पंडित अजय महाराज (गुरु जी) अपनी मधुर वाणी में श्रीमद् भागवत कथा प्रस्तुत करेंगे। 8 जून को हवन और महाप्रसाद (भंडारा) का

आयोजन किया गया है। समस्त ग्राम वासियों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य यजमान और दैनिक यजमान के रूप में ओमकार तिवारी, अमरनाथ तिवारी सदापति तिवारी, अवधेश तिवारी, रामनयन तिवारी, सर्वदेव तिवारी, नगीना देवी तिवारी, निर्मला देवी तिवारी और रामपाल गुप्ता कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। कार्यक्रम के एक संयोजक संतोष सत्यनारायण तिवारी ने बताया कि विश्व प्रसिद्ध काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक पंडित राजेश पाठक भी एक दिन कथा में शामिल होंगे।

रामनगर किला मार्ग पर अतिक्रमण के खिलाफ सघन अभियान

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रामनगर क्षेत्र में नवागत प्रभारी निरीक्षक संजय मिश्रा के नेतृत्व में चौकझ्चौराहा से किला रोड, पंचवटी रोड, साहित्य नाका मोड़ तक अतिक्रमण के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक के साथ कस्बा प्रभारी शिवम सोनी, अमित कुमार यादव, मनीष मौर्या, ओमप्रकाश वर्मा भी मौजूद रहे। अभियान के दौरान साउंड सिस्टम के माध्यम से ऑटो, टोटो, ठेला, खोमचा आदि संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि वे सड़क पर वाहन या दुकान न लगाएं। प्रभारी निरीक्षक ने स्पष्ट कहा कि सड़क आमजन के आवागमन के लिए है, अतिक्रमण के लिए नहीं। निदेर्शों का पालन न करने वालों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई।

पुलिस टीम ने सड़क किनारे खड़े वाहनों एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटवाया, जिससे मार्ग पर यातायात सुचारु होता दिखाई दिया। कार्रवाई से स्थानीय लोगों और राहगीरों को राहत मिली।

चोलापुर के नेहिया गांव में मारपीट, जमीन के विवाद को लेकर मनबढ़ों ने किया हमला, मुकदमा दर्ज कर जांच में जुटी पुलिस

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र के गोसाईपुर चौकी अंतर्गत नेहिया (बुढ़वा) गांव में जमीन और पेड़ के विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच हुई मारपीट का मामला सामने आया है। घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें गुड्डू सिंह नामक युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है तथा आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

16 मई की रात करीब 11 बजे मारपीट की गई। एक पक्ष का आरोप है कि पेड़ काटकर ले जाने के विरोध पर मारपीट की गई। घटना में घायल हुए राजेश सिंह उर्फ पप्पू सिंह, बब्बू सिंह और गुड्डू सिंह को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिवार के अनुसार गुड्डू सिंह की हालत गंभीर बनी हुई है। पहले उन्हें बीएचयू ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया था, बाद में बेहतर इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। परिजनों का दावा है कि डॉक्टरों ने सिर में गंभीर चोट और हड्डी में फ्रैक्चर की आशंका जताई है। फिलहाल उनका इलाज जारी है और वह अभी पूरी तरह स्वस्थ नहीं हो सके हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सीज इनोवा में लगी आग, जलकर हुई खाक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के लाइनबाजार थाने की पुलिस द्वारा सीज कर सड़क के किनारे खड़ी की गई एक इनोवा कार और बस में गुरुवार दोपहर संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक आग लग गई। घटना से अफरा- तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। गुरुवार दोपहर करीब एक बजे थाना परिसर से थोड़ी दूर वाराणसी मार्ग पर सड़क के किनारे खड़े वाहन में धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। देखते ही देखते आग ने इनोवा गाड़ी को पूरी तरह अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने के बाद करीब आधे घंटे देरी से मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक इनोवा कार पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। वहीं पास में खड़ी बस को भी अपने आगोश में ले लिया। घटना के बाद पुलिसकर्मियों और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है।

महिला हुई ठगी का शिकार

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के उदयचन्दपुर गांव निवासी सरिता देवी गुरूवार को अपने पति मुन्ना यादव के इण्डियन बैंक आई थी। बैंक का कामकाज निपटाने के बाद वह लोग ज्यों ही बाहर निकले, एक ठग खुद को उनका रिश्तेदार बताते हुए अभिवादन किया और बातचीत करते मुन्ना को अपनी बाइक पर बैठा लिया कि मार्केट में कुछ काम है। लेकिन थोड़ी दूर जाने के बाद वह मुन्ना को उतार कर फिर सरिता देवी के पास आया और कहाकि चाचा आपके गले की चेन मांग रहे है, सुनार की दुकान पर बैठे है। इसके बाद सरिता देवी ने अपना सोने की चेन उतार कर दे दिया। इसके बाद ठग फरार हो गया। उधर मुन्ना यादव कुछ दूर अकेले रहे फिर वापस अपनी पत्नी के पास पंहुचे तो ठगी का एहसास हुआ। मुन्ना यादव ने पुलिस को ठगी की जानकारी दी। पुलिस सीसीटीवी आदि खंगालकर आरोपित का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पिकअप के टक्कर से बाइक सवार की मौत

आजमगढ़(उत्तरशक्ति)। जनपद के निजामाबाद थाना क्षेत्र के फरिहा-निजामाबाद मार्ग पर शुक्रवार सुबह करीब 9 बजे तेज रफ्तार पिकअप वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया। जानकारी के अनुसार, गंभीरपुर थाना क्षेत्र निवासी बंकेश मिश्र पुत्र सुरेश मिश्र अपनी मोटरसाइकिल से फरिहा चौक से निजामाबाद की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान फरिहा-निजामाबाद रोड पर तेज गति से आ रही एक पिकअप गाड़ी ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बंकेश मिश्र गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना की सूचना मिलते ही फरिहा चौकी प्रभारी चित्रांशु मिश्र अपने हमराहियों के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

डॉ. संजय सिंह चौहान ने देवीपाटन शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर में किया दर्शन

बलरामपुर। भारतीय पृथ्वीराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय सिंह चौहान ने 22 मई 2026 को बलरामपुर जनपद स्थित देवीपाटन शक्तिपीठ मां पाटेश्वरी मंदिर पहुंचकर मां पाटेश्वरी का श्रद्धापूर्वक दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मां का प्रसाद ग्रहण किया तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

दर्शन के उपरांत लौटते समय थाना गौरा चौराहा क्षेत्र के ग्राम सभा करमहना में(उत्तर शक्ति)के वरिष्ठ पत्रकार नान बाबू चौहान के निवास पर मुलाकात की। इस अवसर पर राधेश्याम चौहान, शंभू चौहान, राम फेर प्यार चौहान सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान चौहान समाज के अमर सिंह चौहान, उमानाथ चौहान एवं राजकुमार चौहान से भी विशेष चर्चा हुई। बैठक में वर्ष 2027 के चुनाव को लेकर रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। डॉ. संजय चौहान ने गांव-गांव जाकर रैली, चौपाल और जनसंपर्क अभियान चलाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चौहान समाज को संगठित एवं जागरूक करने का अभियान लगातार जारी रहेगा।

ओवेरियन कैंसर को लेकर जागरूकता बढ़ाने की पहल, मणिपाल हॉस्पिटल, ढाकुरिया ने आयोजित किया विशेष सत्र

मुंबई/कोलकाता। ओवेरियन कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर और कैंसर योद्धाओं के अदम्य साहस एवं जज्बे को सम्मान देने के उद्देश्य से आज मणिपाल हॉस्पिटल, ढाकुरिया ने ह्लहर निशान हिम्मत और संघर्ष की कहानी कहता हैह्व शीर्षक से एक विशेष ओवेरियन कैंसर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस जागरूकता कार्यक्रम में ओवेरियन कैंसर से उबर चुकी महिलाएं, उनके परिजन, डॉक्टर और विभिन्न संगठनों से जुड़े वरिष्ठ नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य ओवेरियन कैंसर की शुरूआती पहचान, उपचार और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर डॉ. इरीना डे, कंसल्टेंट - ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, डॉ. पारोमिता रॉय, कंसल्टेंट - गायनेकोलॉजिक ऑन्कोलॉजिस्ट, डॉ. तन्मय कुमार मंडल, कंसल्टेंट - मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट और डॉ.

सागिनक रे, कंसल्टेंट - सर्जिकल ऑन्कोलॉजिस्ट ने स्वास्थ्य संबंधी मार्गदर्शन सत्र का संचालन किया। इस पहल के बारे में बात करते हुए डॉ. इरीना डे ने कहा, ह्लओवेरियन कैंसर के लक्षण अक्सर सामान्य होते हैं, जैसे पेट फूलना, पेट में असहजता, भूख में बदलाव या बिना किसी कारण के अत्यधिक थकान महसूस होना। महिलाएं अक्सर इन संकेतों को नजरअंदाज कर देती हैं। इसलिए इन चेतावनी संकेतों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और नियमित स्त्री रोग विशेषज्ञ से परामर्श लेना शुरूआती पहचान के लिए बेहद जरूरी है। डॉ. तन्मय कुमार मंडल ने कहा, कम उम्र की महिलाओं में भी ओवेरियन कैंसर के मामलों में बढ़ोतरी चिंता का विषय बनती जा रही है। आज की आधुनिक कीमोथेरेपी, टार्गेटेड थेरेपी और पर्सनलाइज्ड कैंसर उपचार के कारण इलाज के परिणामों में काफी सुधार हुआ है। हालांकि, चिकित्सा उपचार के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता, परिवार का सहयोग और सही काउंसलिंग भी मरीजों को आत्मविश्वास और मजबूती के साथ इस बीमारी से लड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कैंसर योद्धाओं में से एक, 62 वर्षीय मरीज रीना घोष ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, ह्लजब मुझे स्टेज फोर ओवेरियन कैंसर होने का पता चला, तो मेरी पूरी दुनिया बदल गई। डर, अनिश्चितता और दर्द मेरे जीवन का हिस्सा बन गए थे। सात घंटे से अधिक समय तक चली बड़ी सर्जरी मेरे जीवन की सबसे कठिन लड़ाइयों में से एक थी। लेकिन साहस, उम्मीद और मेरे परिवार व देखभाल करने वालों के निरंतर समर्थन ने मुझे इस कठिन दौर से लड़ने की ताकत दी। आज मैं जीवन को एक नए नजरिए से देखती हूं। इस अनुभव ने मुझे सिखाया कि डर कितना भी बड़ा क्यों न हो, जीने की इच्छा और ठीक होने की उम्मीद उससे कहीं ज्यादा मजबूत होती है। अब मैं हर खुशी, हर मुस्कान और अच्छे स्वास्थ्य के हर दिन को पूरे दिल से संजोकर रखती हूं। डॉ. पारोमिता रॉय ने कहा, ह्लबढ़ती उम्र के साथ ओवेरियन कैंसर का खतरा भी बढ़ता है। इसलिए शरीर में किसी भी असामान्य लक्षण को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। साथ ही, इस बीमारी के बारे में परिवार में खुलकर बात करना भी आवश्यक है, ताकि हर आयु वर्ग में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

पीएनबी ने असम राइफल्स महानिदेशालय के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया

मुंबई। देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में से एक, पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने शिलांग में महानिदेशालय असम राइफल्स के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। पीएनबी बैंक की प्रमुख योजना पीएनबी रक्षक प्लस के तहत असम राइफल्स के सभी सेवारत कर्मियों और पेंशनभोगियों को बढ़े हुए बीमा कवरेज और अन्य लाभों के साथ सेवाओं का एक विशेष पैकेज पेश कर रहा है। असम राइफल्स के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल विकास लखेरा, एवीएसएम, एसएम के साथ-साथ बैंक के मुख्य रक्षा बैंकिंग सलाहकार मेजर जनरल डी.एस. बिष्ट, एसएम, वीएसएम (सेवानिवृत्त) और महाप्रबंधक संजीव भारद्वाज की उपस्थिति में इस समझौता ज्ञापन का आदान-प्रदान किया गया। इस समझौते पर महानिदेशालय असम राइफल्स की ओर से ब्रिगेडियर संदीप चटर्जी, एसएम और पीएनबी की ओर से अंचल प्रबन्धक (गुवाहाटी) बिजेंद्र सिंह ने हस्ताक्षर किए।

इंदौर में जल संकट पर भोपाल अधिकारियों के साथ गुरुवार को हुई बैठक

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। शहर के जल संकट को लेकर गुरुवार को अपर मुख्य सचिव (एसीएस) अनुपम राजन और पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग (पीएचई) के प्रमुख सचिव मनीष सिंह इंदौर पहुंचे। रेसीडेंसी कोठी में महापौर, सांसद, विधायकों, कलेक्टर, निगमायुक्त और अधिकारियों के साथ शहर में पानी की स्थिति पर बात हुई। जनप्रतिनिधियों ने टंकियां पूरी नहीं भरने, टैंकरों की कमी, नए हाईड्रेंट, अतिरिक्त स्टाफ और लंबित भुगतान जैसे मुद्दे उठाए। जल प्रदाय के लिए अलग से टीम बनाने के लिए दो नए कार्यपालन यंत्रियों की नियुक्ति पर सहमति बनी। अफसर बोले कि अभी शहर की कुल जल आपूर्ति बढ़ाना संभव नहीं है। उपलब्ध पानी का बेहतर प्रबंधन ही बड़ा समाधान है। बैठक में यह बात भी सामने आई कि शहर में कई टैंकर कहीं से भी पानी भरकर सप्लाई कर रहे हैं। ऐसे में पानी की गुणवत्ता की निगरानी जरूरी है। टैंकरों से पानी वितरण को

लेकर आए दिन होने वाले विवाद को लेकर भी मुद्दा उठा। विधायक महेंद्र हार्डिया ने कहा कि ठेकेदारों का भुगतान जल्द कराएं। इससे टैंकरों की संख्या बढ़ाई जा सकेगी। मुद्दा उठा कि कई लोग मोटर लगाकर पानी खींच लेते हैं। इससे दूसरे इलाकों में प्रेशर कम हो जाता है। विधायक मधु वर्मा ने सुझाव दिया कि पानी सप्लाई के समय बिजली बंद रखी जाए। हालांकि विधायक रमेश मेंदोला ने कहा कि यह व्यावहारिक समाधान नहीं है।

सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि शहर में 450 से ज्यादा वॉल्व हैं। पहले लाइनमैन को इलाके की पूरी जानकारी रहती थी। नए कर्मचारियों को जानकारी नहीं है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा, वर्ष 2011 के बाद, इंदौर को अतिरिक्त पानी नहीं मिला। इस बार 4 हजार बोरिंग सूख गए। ठेकेदारों के भुगतान लंबित हैं। एक ही इंजीनियर कई विभागों के काम देख रहे हैं। उन्होंने सरकार से 50 करोड़ के विशेष आर्थिक पैकेज की मांग की। विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ ने कहा कि गोंदवले धाम क्षेत्र की टंकी से लाइन अब तक नहीं डली। कई क्षेत्रों में गंदे पानी की शिकायतें हैं। विधायक निधि से कराई बोरिंग में बिजली कनेक्शन नहीं हुआ। कलेक्टर शिवम वर्मा ने कहा कि गोंदवले धाम की टंकी मामले में जमीन संबंधी विवाद का समाधान हो गया है। विधायक गोलू शुक्ला ने भी टैंकर बढ़ाने की मांग की तथा अधिकारियों से शीघ्र समाधान निकालने की मांग की है। इंदौर जल समाधान की पुरी जानकारी मुख्यमंत्री को शुक्रवार को सौंप दी जाएगी।

आमने-सामने की टक्कर में पांच घायल एक रिफर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के विजयीपुर गांव के समीप शुक्रवार की दोपहर दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जानकारी के अनुसार, हिसामपुर गांव निवासी अनिल (35 वर्ष) अपनी रिश्तेदारी ज्ञानीपुर भौंरा से अंशिका (13 वर्ष) और शगुन (14 वर्ष) के साथ अपने घर लौट रहे थे।वहीं वाराणसी के चोलापुर गांव निवासी मनोज यादव अपनी पत्नी चंद्रबाला के साथ केराकत स्थित अपनी ससुराल आ रहे थे।जैसे ही विजयीपुर गांव के समीप पहुंचा तभी अनिल की बाइक अनियंत्रित हो गई और विपरीत दिशा में जाकर मनोज की बाइक को आमने - सामने की टक्कर हो गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि अनिल के एक पैर में गंभीर चोट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए।सूचना मिलने पर हाइवे एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र केराकत ले आई। जहां चिकित्सकों ने अनिल की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें वाराणसी के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया व अन्य घायलों का प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

जल संकट पर गंभीर हुए डीएम, वर्षा जल संचयन और भूगर्भ जल संरक्षण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाअधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला भू-गर्भ जल प्रबंधन परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में भूगर्भ जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा लगातार गिरते जलस्तर की समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद में जल संरक्षण को लेकर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए। उन्होंने सभी सरकारी भवनों की छतों की साफ-सफाई कराते हुए वर्षा जल को वाटर रिचार्ज के रूप में उपयोग करने और रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि भूगर्भ जल का अंधाधुंध दोहन भविष्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। इसलिए जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने ग्राम पंचायतों, विद्यालयों एवं नगरीय क्षेत्रों में जल संरक्षण संबंधी गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। बैठक में संबंधित विभागों द्वारा भूगर्भ जल स्तर, संचालित योजनाओं और जल संरक्षण कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि जल संरक्षण को जन आंदोलन का रूप देकर अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व परमानंद झा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एडमिशन शुरू हुए: सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी ने विभिन्न विषयों में यूजी और पीजी प्रोग्रामों के लिए आवेदन आमंत्रित किए

मुंबई। सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी (एसवीयू) ने अकादमिक वर्ष 2026 के लिए अपने अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश शुरू करने की घोषणा की है। युनिवर्सिटी आर्ट्स, कॉमर्स एवं साइंस के छात्रों को आवेदन के लिए आमंत्रित करती है, जिसके लिए आगामी सोमैया विद्याविहार युनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 6 जून 2026 को होगा।

इस टेस्ट के जरिए छात्र कई अंडरग्रेजुएट प्रोग्रामों में प्रवेश पा सकते हैं। इसका संचालन एक इंटरनेट-प्रोक्टर्ड टेस्ट के रूप में होता है, जहां छात्र अपने घर से ही परीक्षा दे सकते हैं। वे अपनी रूचि एवं करियर की महत्वाकांक्षाओं के अनुरूप विभिन्न विषयों जैसे कॉमर्स एवं बिजनेस स्टडीज, कम्प्यूटर ऐप्लीकेशन्स, डेटा साइंस, ह्युमेनिटीज एवं सोशल साइंस, लिबरल आर्ट्स, डिजाइन, परफोर्मिंग आर्ट्स आदि के लिए आवेदन कर सकते हैं। 2019 में प्राइवेट युनिवर्सिटी के रूप में स्थापित एसवीयू पिछले आठ दशकों से शिक्षा की विरासत को जारी रखे हुए है। आज यह बहुआयामी संस्थान 40 अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम पेश करता है, जहां 12000 से अधिक छात्र 800 से अधिक फैकल्टी एवं स्टाफ के सदस्य हैं। युनिवर्सिटी को 2025 में एनएएसी ए ग्रेड से मान्यता दी गई है, जो अकादमिक उत्कृष्टता के लिए इसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। सवीयू का अकादमिक दृष्टिकोण उद्योग जगत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्रासंगिक तरीके से डिजाइन किया गया है। छात्र अपने मुख्य विषयों के अलावा अन्य विषयों को भी एक्सपलोर कर सकते हैं। उन्हें लाईव प्रोजेक्ट्स, इंटर्नशिप, सामुदायिक पहलों के द्वारा व्यवहारिक रूप से सीखने का मौका मिलता है। युनिवर्सिटी विश्वस्तरीय एक्सपोजर के अवसर भी देती है, जिसमें यूएस, यूके, यूरोप एवं अन्य क्षेत्रों की साझेदार युनिवर्सिटियों के साथ सेमेस्टर अबरॉड प्रोग्राम शामिल हैं, जिनमें कोई अतिरिक्त ट्यूशन फीस नहीं ली जाती। एसवीयू के प्लेसमेंट का परफॉर्मेंस इसके परिणामों की पुष्टि करता है।

वक्फ इमामबारगाह पर कारोबार, बना चर्चा का विषय

-अनवर हुसैन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के व्यस्तम क्षेत्र दिलजाकओलंदगंज स्थित शिया समुदाय की वक्फ संपत्ति इमामबारगाह पर वर्षों से व्यावसायिक गतिविधियां संचालित होने का मामला चर्चा में है। आरोप है कि इमामबारगाह परिसर में कूलर का कारोबार किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्राहक आते-जाते हैं, जिससे धार्मिक स्थल की गरिमा प्रभावित होती है। वक्फ संपत्तियां निजी स्वामित्व की नहीं होतीं, बल्कि धार्मिक और जनहित उद्देश्यों के लिए समर्पित होती हैं। भारत में उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ऐसी संपत्तियों के संरक्षण और उपयोग की निगरानी करता है। वक्फ अधिनियम, 1995 के अनुसार किसी भी वक्फ संपत्ति पर अनधिकृत कब्जा, व्यावसायिक उपयोग या उद्देश्य से हटकर उपयोग गंभीर मामला माना जाता है। यदि किसी धार्मिक स्थल का उपयोग बोर्ड की अनुमति के बिना व्यावसायिक कार्यों के लिए किया जा रहा है, तो वक्फ बोर्ड को जांच कर कब्जा हटाने, किराया वसूली, दंडात्मक कार्रवाई और आवश्यक होने पर मुकदमा दर्ज कराने का अधिकार है। अब सवाल यह है कि क्या संबंधित जिम्मेदार लोग इस मामले का संज्ञान लेकर इमामबारगाह की पवित्रता और वक्फ संपत्ति की कानूनी स्थिति को बहाल करेंगे, या मामला यूँ ही अनदेखा होता रहेगा। समुदाय की निगाहें अब शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड और स्थानीय प्रशासन की संभावित कार्रवाई पर टिकी हैं।

पूरे प्रदेश का हो रहा है चौमुखी विकास, गिरीश यादव

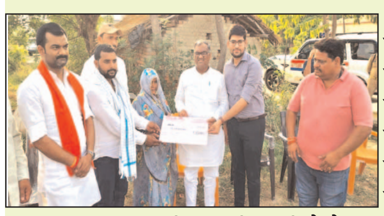

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ने सदर विधानसभा क्षेत्र के विकास खण्ड करंजाकला के ग्राम सभा खम्मौर के ग्राम प्रधान डॉ राम जनम यादव जिनका विगत दिनों में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी । उनके आवास पर शुक्रवार को पहुंच कर उनकी पत्नी गीता को पंचायत कल्याण कोष से 10 लाख रुपए का चेक दिया। उन्होंने पीड़ित परिवार को हर संभव मदद का भरोसा दिया। कहा कि प्रदेश की योगी सरकार जनपद जौनपुर ही नहीं पूरे पूर्वांचल का विकास करते हुए सड़क यातायात व्यवस्था को बेहतर करने पर लगी हुई है। गरीब , असहाय, जरूरतमंद लोगों के लिए हमेशा मदद कर रही है ।लोगों को उनके ही जिले में रोजगार के नए आयाम स्थापित किया जा रहे हैं। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी नवीन सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि सुनील यादव मम्मन, मीडिया प्रभारी मनीष श्रीवास्तव व अन्य लोग रहे।

मनबढ़ो ने युवक से की मारपीट, नगदी छीनने का आरोप

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र के छितौना गांव निवासी हर्षित यादव पुत्र अमरबहादुर शुक्रवार को कोतवाली पहुंच नामजद तहरीर देकर आरोप लगाया कि भट्ठे पर ट्रैक्टर से माटी गिराकर व नगद 40 हजार रुपये लेकर वायस लौट रहे थे कि रस्ते में पहले ही घाट लगाए बैठे मुन्ना यादव दो अन्य लोगों के साथ रोक कर भद्दी -भद्दी गालियां देते हुए मारपीट की जिससे मेरे सर में गंभीर चोंट आ गई और भट्ठे लेकर आ रहे नगदी को छीन लिए,चीख -पुकार सुन लोगों को आता देख मौके से बाइक छोड़ फरार हो गए।पुलिस पीड़ित के तहरीर के आधार पर मामले की छानबीन में जुट गई।

इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट ने शानदार प्रदर्शन किया

मुंबई, इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (इंडिया) लिमिटेड पूरी दुनिया में स्वतंत्र रूप से ग्रेडिंग एवं प्रमाणन सेवाएं उपलब्ध कराने में सबसे आगे है, जिसने मार्च 2026 को समाप्त तिमाही में शानदार प्रदर्शन दर्ज किया। कंपनी ने अपने व्यवसाय के सभी प्रमुख क्षेत्रों, जैसे कि कुदरती डायमंड्स, लैब में बने डायमंड्स, और LGD ज्वेलरी के क्षेत्र में शानदार प्रगति को बरकरार रखते हुए, इस तिमाही के दौरान राजस्व में 21% और EBITDA में 21% की बढ़ोतरी दर्ज की है। इस तिमाही (जनवरी - मार्च 2026) के दौरान कारोबार के संचालन से प्राप्त कुल राजस्व 3,686 मिलियन रुपये और EBITDA 2,360 मिलियन रुपये तक पहुंच गया। इस अवधि के दौरान PAT पिछले साल की तुलना में 28% की बढ़ोतरी के साथ 1,796 मिलियन रुपये दर्ज किया गया। कंपनी ने अपनी वित्तीय रिपोर्टिंग व्यवस्था में बदलाव करते हुए इसे कैलेंडर वर्ष की जगह मार्च में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के अनुरूप कर लिया है। इस वजह से, मौजूदा रिपोर्टिंग अवधि कुल 15 महीनों की है, जो 31 मार्च, 2026 को पूरा हुआ है। जनवरी 2025 से मार्च 2026 तक की पंद्रह महीने की अवधि के दौरान, कंपनी ने जनवरी 2024 से मार्च 2025 की अवधि की तुलना में संचालन से प्राप्त राजस्व में 18% और EBITDA में 22% की बढ़ोतरी दर्ज की है। मार्च 2026 के 15 महीनों में EBITDA मार्जिन 60.9% दर्ज किया गया। इसी तरह, समेकित PAT भी मार्च 2025 के 15 महीनों की तुलना में 25% की बढ़ोतरी के साथ, मार्च 2026 के 15 महीनों के दौरान 7,112 मिलियन रुपये तक पहुंच गया। साथ ही, इस अवधि में PAT मार्जिन भी 41.8% से बढ़कर 44.5% हो गया।

ओप्पो इंडिया ने फाईंड एक्स9एस और फाईंड एक्स9 अल्ट्रा लॉन्च किया

पटना । ओप्पो इंडिया ने भारत में फाईंड एक्स9एस और फाईंड एक्स9 अल्ट्रा का लॉन्च किया। इसके साथ ही कंपनी के फ्लैगशिप स्मार्टफोन पोर्टफोलियो का विस्तार हुआ है, जो क्रिएटर्स को एडवांस्ड इमेजिंग, एआई अनुभव और फ्लैगशिप परफॉर्मेंस प्रदान करता है। ओप्पो फाईंड एक्स9एस सनसेट ऑरेंज, लैवेंडर स्काई और मिडनाईट ग्रे कलर्स में, तथा फाईंड एक्स9 अल्ट्रा टुंड्रा अंबर और केनयन ऑरेंज रंगों में उपलब्ध है। ये दोनों स्मार्टफोन 28 मई से ओप्पो ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट, अमेजॉन और मेनलाईन रिटेल स्टोर्स से खरीदे जा सकेंगे।

ठाणे में 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' का उद्घाटन

मुंबई। ग्रुप लेग्रैंड इंडिया ने आज ठाणे में 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' का उद्घाटन किया। यह महाराष्ट्र में कंपनी का पहला समर्पित प्रशिक्षण केंद्र है। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे उपस्थित थे। साथ ही महाराष्ट्र सरकार के माननीय कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार मंत्री, श्री मंगल प्रभात लोढ़ा तथा मुंबई में फ्रांस की उप-कांसुल, सुश्री एग्नेस सिल्वा की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शान बढ़ाई।

कौशल विकास और युवा सशक्तिकरण के प्रति ग्रुप लेग्रैंड इंडिया की सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत शुरू किए गए, इस प्रशिक्षण केंद्र का उद्देश्य उद्योग के अनुकूल तकनीकी प्रतिभा को सशक्त करना और इलेक्ट्रिकल तथा संबंधित प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में रोजगार क्षमता को बढ़ाना है।

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (NSDC) से मान्यता प्राप्त कार्यान्वयन एवं ज्ञान भागीदार, 'स्किलसोनिक्स' के सहयोग से विकसित, इस 8,000 वर्ग फुट के विश्व स्तरीय स्वतंत्र केंद्र को दसवी तथा बारवी के छात्रों, आईटीआई छात्रों, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग छात्रों, तकनीशियनों तथा इलेक्ट्रीशियनों को उद्योग-उन्मुख तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह संस्थान तकनीकी और बाजार की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक शिक्षा, औद्योगिक अनुभव और रोजगार क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए पूरी तरह से निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करेगा। इस पहल से हर साल 1,000 से अधिक छात्रों और इलेक्ट्रीशियनों को ट्रेनिंग देकर उनके हुनर को निखारा जाएगा। इससे भारत के तेजी से बढ़ते बुनियादी ढांचे, ऊर्जा और इलेक्ट्रिकल क्षेत्र के

लिए कुशल कारीगरों और इंजीनियरों की कमी पूरी होगी। यह कदम ग्रुप लेग्रैंड इंडिया के सीएसआर कार्यक्रम को और मजबूत बनाता है, जो मुख्य रूप से पांच स्तंभों पर टिका है: शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, कौशल विकास और आपदा राहत। कंपनी इसके जरिए देश भर के समाज और लोगों की भलाई के लिए बड़े स्तर पर काम कर रही है।

इस अवसर पर बोलते हुए, ग्रुप लेग्रैंड इंडिया के सीईओ और प्रबंध निदेशक, टोनी बर्लैंड ने कहा, ठाणे में हमारे इस ट्रेनिंग सेंटर का उद्घाटन, कौशल विकास के जरिए युवाओं को सशक्त बनाने और उन्हें रोजगार के काबिल बनाने के लेग्रैंड के सफर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस पहल के माध्यम से, हमारा उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा को हर किसी तक पहुंचाना है। यह सेंटर छात्रों और इलेक्ट्रीशियनों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करेगा, और साथ ही भारत में एक कुशल कार्यबल के निर्माण में बेहद महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर बोलते हुए, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे ने कहा, ह्लमहाराष्ट्र सरकार उद्योगों के साथ साझेदारी और व्यावहारिक शिक्षा की पहलों के माध्यम से कौशल विकास को मजबूत करने तथा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है। 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' भविष्य के लिए तैयार कुशल कार्यबल के निर्माण के राज्य के विजन के बिल्कुल अनुकूल है, और यह महाराष्ट्र के व्यापक कौशल विकास मिशन तथा औद्योगिक विकास में बेहद महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर ग्रुप लेग्रैंड इंडिया की वीपी सीएसआर और सस्टेनेबिलिटी, आबिदा अनीज ने कहा, 'लेग्रैंड इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग एंड एजुकेशन' को इलेक्ट्रिकल और यूपीएस सिस्टम की आधुनिक लैब्स और लेटेस्ट टेक्नोलॉजी से लैस करके इसे पहले एडवांस टेक्निकल ट्रेनिंग सेंटर के रूप में विकसित किया गया है। इसका खास करिक्युलम लेग्रैंड के विशेषज्ञों और स्किलसोनिक्स के तकनीकी विशेषज्ञों ने मिलकर तैयार किया है। इसका उद्देश्य छात्रों और इलेक्ट्रीशियनों को ऐसे व्यावहारिक कौशल और उद्योग के अनुकूल क्षमताएं प्रदान करना है, जो आज की और आने वाले समय की तकनीकी जरूरतों के बिल्कुल अनुकूल हों।ट्रेनिंग सेंटर का यह उद्घाटन, आसान कौशल विकास और समाज के विकास के जरिए सबको साथ लेकर आगे बढ़ने के लेग्रैंड इंडिया के बड़े नजरिए की तरफ एक और मजबूत कदम है।

एमईटी आईएमएम के छात्रों ने दुनिया में लहराया परचम

मुंबई। एमईटी इंस्टीट्यूट ऑफ मास मीडिया के लिए पिछले कुछ हफ्ते ऐतिहासिक रहे हैं। मुंबई के इस प्रमुख पोस्ट-ग्रेजुएट मीडिया स्कूल के छात्रों ने दो बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां हासिल की हैं। इनमें फ्रांस में कान्स लायंस 2026 में प्रतिष्ठित इंटर्नशिप, और इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में एक पुरस्कार शामिल हैं।

एमईटी आईएमएम की छात्राएं अक्षता हेगड़े और अल्थिया एनी सिक्वेरा ने कान्स लायंस में 'एन एच स्टूडियोज' का प्रतिनिधित्व किया। वे अपनी तीन महीने की इंटर्नशिप के दौरान एक ग्लोबल फिल्म बिजनेस के इंटरनेशनल फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन डिपार्टमेंट के साथ जुड़ी रहीं। उनका काम अंतरराष्ट्रीय फिल्म बिक्री, वैश्विक खरीदारों के साथ बिजनेस डेवलपमेंट मीटिंग्स, क्लाइंट नेटवर्क का विस्तार और फिल्म ब्रांडिंग रणनीति तक फैला था ये ऐसी ठोस जिम्मेदारियां थीं जो एक सामान्य इंटर्न के काम के दायरे से कहीं बढ़कर थीं। कान्स लायंस हर साल 90 से अधिक देशों के प्रोफेशनल्स को आकर्षित करता है। यहाँ इंटर्न का चयन बेहद प्रतिस्पर्धी और पूरी तरह से योग्यता के आधार पर होता है, जिसमें कम उम्र या अनुभव की कमी के लिए कोई ढील नहीं दी जाती। ऐसे में, एमईटी आईएमएम के छात्रों का न केवल इन पदों को हासिल करना, बल्कि तीन महीनों तक उद्योग-स्तर का ठोस काम करना, उनकी व्यक्तिगत क्षमता और संस्थान द्वारा दी जाने वाली कठोर ट्रेनिंग दोनों को दशार्ता है। इस सफलता की रफ्तार को और बढ़ाते हुए, एमईटी आईएमएम के छात्रों द्वारा बनाई गई एक फिल्म ने इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपनी पहचान बनाई है। 'द व्हाइट हाउस ऑफ सर्कल्स' नाम की यह डॉक्यूमेंट्री, भारत की सबसे पुरानी और सबसे विशिष्ट स्वदेशी कलाकृतियों में से एक, 'वारली पेंटिंग' की दुनिया को सामाजिक और सौंदर्य दोनों ही नजरियों से तलाशती है। इंडियन इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में मिली इस पहचान ने फिल्म और मनोरंजन शिक्षा में एमईटी आईएमएम की ताकत को और मजबूत किया है, साथ ही यह कहानी कहने की उस प्रतिबद्धता को भी दशार्ती है जो केवल कला तक सीमित न रहकर वास्तविक सांस्कृतिक महत्व को समेटे हुए है।

एमईटी इंस्टीट्यूट ऑफ मास मीडिया की डॉ. प्रिया मेनन नायर ने कहा, ह्लहमारा हमेशा से यह मानना रहा है कि सबसे बेहतरीन शिक्षा तब होती है जब क्लासरूम की पढ़ाई को वास्तविक दुनिया के व्यावहारिक अनुभवों का साथ मिले। कान्स की यह प्रतिष्ठित इंटर्नशिप और आईआईएफएफ में हमें मिला हुआ सम्मान, यह साबित करते हैं कि एमईटी आईएमएम किस तरह के छात्र तैयार करता है: ऐसे छात्र जो इंडस्ट्री की उम्मीदों से पहले ही खुद को पूरी तरह तैयार कर लेते हैं।

एमईटी के माननीय ट्रस्टी श्री पंकज भुजबल ने कहा, ह्लएक ही सीजन में कान्स लायंस और आईआईएफएफ जैसी दोहरी पहचान मिलना पूरे एमईटी परिवार के लिए अत्यधिक गर्व की बात है। हमारे छात्रों का वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ युवा प्रतिभाओं से मुकाबला करना और उनके सामने मजबूती से टिके रहना, हमारी उस सोच की सबसे सटीक पुष्टि है जिसे लेकर हम आगे बढ़े थे। कहानी कहना, रचनात्मकता और व्यावसायिक उत्कृष्टता हमेशा से एमईटी आईएमएम के केंद्र में रहे हैं, और हमारे छात्र अब इसे दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर ले जा रहे हैं।